

रामार्त हलचल

वर्ष: 11 अंक: 118

जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, रविवार, 25 अक्टूबर 2026

मूल्य: 4 रुपए

पृष्ठ: 08

► आजादी के बाद अब जाकर सीधी जिला रेल नेटवर्क से जुड़ा

541 किमी लंबी रेल परियोजना से मग्न के विकास को मिलेगी रफ्तार

मुख्यमंत्री और रेल मंत्री वैष्णव ने सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का किया वर्चुअली उद्घाटन, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और खंडवा नई रेलवे लाइन का जल्द होगा लोकार्पण

मग्न में 1.50 लाख करोड़ के रेलवे प्रोजेक्ट पर काम जारी, आगामी समय में 100 से अधिक लंबी एवं छोटी दूरी की रेल सेवाएं होंगी शुरू: वैष्णव

● भोपाल /

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वर्चुअली सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन किया। साथ ही देवेन्द्र नगर-चुरहट ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री भार जिले के सरदारपुर से वर्चुअली कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर नागोद एवं चुरहट रेलवे स्टेशन पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आज विन्ध्य और बुंदेलखंड के लिए रेलवे की नई सीमा का दिन है। यह रेल परियोजना मग्न को



विकास के नए दौर में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लगभग 541 किलोमीटर की परियोजना से इस क्षेत्र में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा और लंबे समय से रेल कनेक्टिविटी की आवश्यकता महसूस कर रहे क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। उन्होंने इस सीमागत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मग्न को लगभग 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल संपर्क बढ़ने से किसानों को अपनी उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी।

(शेष पेज 8 पर)

विन्ध्य-बुंदेलखंड के लिए नई लाइफलाइन बनेगी रेल कनेक्टिविटी

रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि आज का दिन विन्ध्य और बुंदेलखंड के लिए नई लाइफ लाइन बनने का दिन है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले इन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इससे क्षेत्र के नागरिकों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने और रेल सुविधाओं के विस्तार का कार्य किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि सतना, देवेन्द्र नगर, रीवा और चुरहट सहित आसपास के क्षेत्रों को इस रेल सुविधा का लाभ मिलेगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से विन्ध्य और बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और क्षेत्र में नए औद्योगिक कॉरिडोर के विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि

रेल सुविधाओं के विस्तार से चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि मग्न में 1.50 लाख करोड़ रुपए के रेलवे प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। प्रदेश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। खजुराहो, गालियर सहित अनेक स्टेशनों पर विकास कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मग्न में लंबी और छोटी दूरी की 100 से अधिक रेल सेवाएं शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में कई मेमू रेल गाड़ियां मग्न में प्रारंभ की जाएंगी। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि विश्व धरोहर खजुराहो में भव्य रेलवे स्टेशन बन रहा है।

दिल्ली से क्या उम्मीद कर सकते हैं, पाक कर रहा है हमारी रक्षा...

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के बिगड़े बोल

● बारामूला /

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठा रहा है और इससे दुनिया का ध्यान इस ओर जाता है। उन्होंने दिल्ली की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र से न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती। बारामूला में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों और पहचान के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने की अपील की। अब्दुल्ला ने कहा, आप दिल्ली से क्या उम्मीद कर सकते हैं? क्या आपको लगता है कि वे आपको न्याय दिलाएंगे? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लगातार दुनिया भर में यह मुद्दा उठाता है कि कश्मीर का मामला अब तक नहीं सुलझा है। उनके मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण दिल्ली इस मुद्दे पर चुप है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों की रक्षा कर रहा है, हालांकि उन्होंने उसके इरादों को अच्छा नहीं बताया।



पेलेट गन मामले की जांच करेगी सुप्रीम कोर्ट समिति

जंतर-मंतर हिंसा: 29-30 को प्रभावित लोगों की शिकायतें व सबूत किए जाएंगे दर्ज

● नई दिल्ली /

जंतर-मंतर पर जुलाई में हुए हिंसक टकराव के दौरान पेलेट गन के कथित इस्तेमाल और महिला प्रदर्शनकारियों से दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति 29 और 30 अक्टूबर को प्रभावित लोगों की बात सुनेगी। समिति जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग, चुनिंदा प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने



और दोनों पक्षों की ओर से संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की भी पड़ताल करेगी। समिति की कार्यवाही सुबह 11 बजे से शिखा सदन, 17 राजज एवेन्यू स्थित कार्यलय में होगी। हिंसा से प्रभावित और आम नागरिक दोनों दिन सुबह 11.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपनी शिकायतें, आवेदन और सबूत पेश कर सकेंगे।

(शेष पेज 8 पर)

पांच सदस्यीय समिति कर रही जांच

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में गठित समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश शालिंदर कोर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व पुलिस महानिदेशक एल. आर. बिस्नोई शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आंदोलन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादती और पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के बाद समिति का गठन किया था।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर 1.56 करोड़ की विदेशी करेंसी जब्त

हैदराबाद, आरएनएन। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मलेशिया के कुआलालंपुर जाने की तैयारी कर रहे दो यात्रियों के पास से करीब 1.56 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की है। अधिकारियों ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। डीआरआई

मलेशिया जा रहे दो यात्री गिरफ्तार

की हैदराबाद जोनल युनिट को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने हैदराबाद से कुआलालंपुर जाने वाली एयरएशिया की उड़ान में एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। उसके केबिन बैगज की तलाशी लेने पर ट्रॉली बैग में कपड़ों के बीच काले प्लास्टिक कवर में छिपाई गई विदेशी मुद्रा बरामद हुई। इसमें 66,600 अमेरिकी डॉलर, 3,773 मलेशियाई रिंगित और दो सिंगापुर डॉलर शामिल थे, जिनकी भारतीय मुद्रा में कुल कीमत 63.62 लाख रुपये है।

जियो आईपीओ को 7.40 लाख करोड़ की बोलियां

1.38 करोड़ से ज्यादा आवेदन, 22.19 गुना सब्सक्राइब हुआ 30,213 करोड़ का इश्यू

● नई दिल्ली /

जियो प्लेटफॉर्म का 30,213 करोड़ रुपये का आईपीओ भारतीय पूंजी बाजार के कई रिकॉर्ड अपने नाम करने के बाद बंद हो गया। तीन दिन की बोली प्रक्रिया में इसे एंकर निवेशकों समेत करीब 7.40 लाख करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं। आईपीओ को 1.38 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले और यह कुल 22.19 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के अनुसार, इश्यू खुलने के करीब 100 मिनट के भीतर ही इसके लिए उपलब्ध शेयरों की पूरी मांग आ गई थी। आवेदनों की संख्या के लिहाज से कंपनी ने इसे वैश्विक स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि बताया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, यह एक करोड़ से ज्यादा व्यक्तिगत आवेदन पाने वाला पहला आईपीओ



100 मिनट में पूरी तरह भरा, 28 अक्टूबर को लिस्टिंग प्रस्तावित

एंकर निवेशकों की ओर से करीब 4.90 लाख करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं, जबकि एंकर निवेशकों की मांग लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये रही। योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की श्रेणी में 3.87 लाख करोड़ रुपये की बोलियां आई और उनका आरक्षित हिस्सा 70.55 गुना सब्सक्राइब हुआ।

कोलकाता एयरपोर्ट पर लगातार दूसरे दिन बम की धमकी

फुकेत से आई उड़ान के शौचालय के शीशे पर लिखा मिला संदेश



कोलकाता, आरएनएन। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को लगातार दूसरे दिन बम की धमकी मिलने से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। फुकेत से कोलकाता पहुंची एक उड़ान के शौचालय के शीशे पर विमान में बम होने का संदेश लिखा मिला। इसके बाद विमान को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और यात्रियों को बाहर निकालकर तलाशी अभियान चलाया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, विमान के केबिन क्यू को शौचालय में धमकी भरा संदेश मिला था। इसकी सूचना पायलट और सुरक्षा अधिकारियों को दी गई। इसके बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), बम निरोधक दस्ते और हवाई अड्डा पुलिस ने विमान की सघन तलाशी ली। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। मामले की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां धमकी भरा संदेश लिखने वाले की पहचान करने में जुटी हैं।

रक्षा सचिव राजेश कुमार का कार्यकाल 1 साल बढ़ा

अब 31 अक्टूबर 2027 तक पद पर रहेंगे

● नई दिल्ली /

केंद्र सरकार ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 24 अक्टूबर को उनके सेवा विस्तार को मंजूरी दी। अब वे 31 अक्टूबर 2027 तक या आगेले आदेश तक, जो भी पहले हो, रक्षा सचिव के पद पर बने रहेंगे। उनका मौजूदा कार्यकाल 31 अक्टूबर 2026 को समाप्त होने वाला था। यह सेवा विस्तार मौलिक नियम 56(डी) और अखिल भारतीय सेवा मूल्य-सह-सेवानिवृत्ति लाभ नियम, 1958 के



नियम 16(1ए) के प्रावधानों में छूट देते हुए मंजूर किया गया है। केरल केन्द्र के 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सिंह ने 1 नवंबर 2024 को देश के 40वें रक्षा सचिव के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने गिरिधर अरमाने की जगह ली थी। रक्षा मंत्रालय में आने से पहले वह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग में सचिव थे। इस पद पर उन्होंने अप्रैल 2023 से अगस्त 2024 तक जिम्मेदारी संभाली थी।

टैपल

1 नवंबर से शुरू होंगे प्री-ऑर्डर, कीमत में लाइफटाइम सब्सक्रिप्शन भी शामिल

85 हजार में मिलेगा ब्रेन मॉनिटरिंग गैजेट

● नई दिल्ली /

जोमैटो के सह-संस्थापक दीपेंद्र गोयल के ब्रेन मॉनिटरिंग गैजेट टैपल की कीमत का खुलासा हो गया है। इस डिवाइस की कीमत 85,000 रुपये रखी गई है। कंपनी के शुरुआती बैच के लिए प्री-ऑर्डर 1 नवंबर 2026 से शुरू होंगे। कीमत में लाइफटाइम सब्सक्रिप्शन भी शामिल है। टैपल की कीमत की जानकारी कंपनी की ओर से कुछ यूजर्स को भेजे गए अर्ली-बर्ड इनवाइट के जरिए सामने आई है। इनवाइट के मुताबिक, यूजर्स टैपल ऐप के माध्यम से आम प्री-ऑर्डर शुरू होने से पहले डिवाइस बुक कर सकेंगे। शुरुआती बैच में डिवाइस सीमित संख्या में उपलब्ध होंगे।



ब्रेन के ब्लड फ्लो को करता है ट्रैक

टैपल को माथे के पास चिपकाया जाता है। यह डिवाइस ब्रेन में रक्त प्रवाह की निगरानी करता है। गोयल ने इस तकनीक को ब्रेन फ्लो नाम दिया है। इसका काम स्मार्टवॉच और सामान्य फिटनेस ट्रैकर से अलग है, क्योंकि यह ब्रेन के ब्लड फ्लो को ट्रैक करने पर केंद्रित है।

छह रंगों में होगा उपलब्ध

दीपेंद्र गोयल कई बार टैपल पहने नजर आ चुके हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु भी लाइव मैच के दौरान इसे पहन चुकी हैं। गोयल के मुताबिक, यह गैजेट छह रंगों में उपलब्ध होगा। इनमें ट्रू गोल्ड, रोज गोल्ड और ब्लैक मिरर जैसे विकल्प शामिल हैं।

डीजल भरते समय लगी आग फिर हुआ धमाका, 5 की मौत

● अल्लूरी /

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शनिवार सुबह एक सड़क निर्माण स्थल पर पिकअप ट्रक में डीजल भरते समय आग लगने और उसके बाद हुए धमाके में कम से कम पांच मजदूरों की मौत हो गई। जिले के पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने बताया कि यह दुर्घटना अनंतगिरी मंडल के पिनाकोटा गांव में सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुई। चूंकि यह निर्माण स्थल मुख्य इलाके से लगभग 100 किलोमीटर दूर है, इसलिए वहां काम करने वाले श्रमिक वाहनों में ईंधन भरने के लिए आमतौर पर ड्रमों में डीजल



कई वाहन जलकर खाक

लाते हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, डंपर या पिकअप ट्रक की टंकी में डीजल भरते समय कर्मचारियों द्वारा पर्याप्त सावधानी नहीं बरती गई होगी, जिससे किसी चिंगारी के कारण सबसे पहले पिकअप ट्रक में आग लग गई। यह आग फैलकर पास ही खड़े एक अन्य डंपर ट्रक और एक दोपहिया वाहन तक पहुंच गई, जिससे तीनों वाहन पूरी तरह जल गए।

► समझौते को तैयार नहीं तेहरान तो ऑपरेशन एपिक फ्यूरी किया जाएगा शुरू

ट्रम्प ने ईरान को दी धमकी, एक और जबरदस्त हमले के लिए तैयार रहो

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को दिया धमकी का जवाब, हम समुद्र में इंटरनेट केबल काट सकते हैं

● वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि अगर तेहरान किसी समझौते के लिए तैयार नहीं होता है, तो वाशिंगटन एक और ऑपरेशन शुरू कर सकता है। इससे कुछ घंटे पहले ही एक अमेरिकी दूत ने कहा था कि इसी सप्ताहांत तक ईरान पर फिर से बड़े हमले हो सकते हैं।

शुक्रवार को फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा कि हम एक और एपिक फ्यूरी कर सकते हैं। यहां उन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना द्वारा चलाए जाने वाले युद्ध के लिए इस्तेमाल किए गए नाम का जिक्र किया। ट्रम्प की इस धमकी के बाद ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अमेरिका और इजराइल ने अगर दोबारा हमला किया तो ईरान खाड़ी में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बना सकता है।

ईरान का आगे क्या है योजना : हमले से बचने के लिए ईरान ने अपना आगे का प्लान तैयार कर लिया है। ईरान खाड़ी में समुद्र के नीचे बिछे इंटरनेट केबल को निशाना बनाने की योजना तैयार की है। ईरानी रिबोल्यूशनरी गार्ड्स के राजनीतिक



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का बदलता रहता है मूड

ट्रम्प ने जहां एक तरफ ईरान पर फिर से हमले की धमकी दी है, उससे पहले शुक्रवार को ट्रंप ने ही कहा था, अमेरिका युद्ध को बहुत जल्दी खत्म कर सकता है। फिर खुद ही सवाल भी उठाया कि क्या अमेरिका को इस युद्ध को तुरंत खत्म करना चाहिए या फिर इसे धीरे-धीरे कमजोर पड़ने देना चाहिए? ट्रंप ने अपने बयान में कहा, अमेरिका के पास युद्ध खत्म करने की क्षमता है, लेकिन सवाल यह है कि इसे खत्म किया जाए या इसे धीरे-धीरे खत्म होने दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को वह सब मिल रहा है जो वह चाहता है, हमारा तेल हॉर्मुज के रास्ते से होकर लगातर आ रहा है।

ईरान से लौटते समय थोड़ी देर के लिए क्यूबा में रुकेंगे

राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि हम ईरान से लौटते समय क्यूबा जाएंगे। हम वहां थोड़ी देर के लिए रुकेंगे। एक अमेरिकी जहाज तट से लगभग 50 गज दूर रुक सकता है, जिसके बाद विदेश मंत्री मार्को रुबियो को वहां भेजा जाएगा ताकि वे डील पूरी कर सकें। अमेरिका क्यूबा पर अपनी अवैध नाकेबंदी बनाए हुए है, जो छह दशकों से भी अधिक समय से लागू है।

मामलों के उप प्रमुख यदोल्लाह जावानी ने कहा है कि अगर ईरानी बुनियादी ढांचे पर हमला हुआ तो ईरान हॉर्मुज के नीचे मौजूद सात

प्रमुख इंटरनेट केबल को काट देगा। समुद्र के नीचे की इंटरनेट केबल से लेकर सैन्य ठिकानों तक कोई जगह सुरक्षित नहीं रहेगी।

इंटरनेट केबल कटने से कितना नुकसान होगा

बता दें कि समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल दुनिया के करीब 99 प्रतिशत इंटरनेट ट्रैफिक पहुंचाती है। कई केबल कटने से इंटरनेट की रफ्तार धीमी हो सकती है और वित्तीय लेनदेन, ऑनलाइन कारोबार और क्लाउड सेवाओं पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा युद्ध के दौरान केबल की मरम्मत भी मुश्किल हो सकती है, क्योंकि बीमा लागत बढ़ने और समुद्री क्षेत्र में जाने की अनुमति मिलने में देरी हो सकती है।

दिल्ली नहीं आएंगे ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ

नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच में ईरानी पार्लियामेंट के स्पीकर शामिल नहीं होंगे। दूतावास ने मुताबिक, कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बगर गालिबाफ इस बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगे। हालांकि, ईरान का संसदीय प्रतिनिधिमंडल बैठक में हिस्सा लेगा। आगामी 26 और 27 अक्टूबर को दिल्ली में ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक होने वाली है। गालिबाफ को ईरान की सत्ता संरचना और अमेरिका के साथ चल रहे हालिया रणनीतिक घटनाक्रमों में एक बेहद प्रभावशाली और ताकतवर चेहरा माना जाता है। दूतावास ने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य के तौर पर ईरान इस समूह के शिखर सम्मेलनों और बैठकों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध है।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध को मुंबई में एटीएस ने किया गिरफ्तार

● मुंबई

महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की कालाचौकी यूनिट ने मुंबई के माहिम इलाके से मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर (33) को गिरफ्तार किया है। उस पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने और सोशल मीडिया के जरिए सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने का आरोप है। एटीएस के मुताबिक, आरोपी को माहिम मेट्रो स्टेशन के पास गुप्त सूचना के आधार पर



पकड़ा गया। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी रैपिडो राइडर और इत्र विक्रेता के तौर पर काम करता था।

उसके मोबाइल फोन की जांच में कथित तौर पर भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मौलाना मसूद अजहर के ऑडियो भाषण मिले हैं। आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर जिहाद करो जैसी टिप्पणियां कीं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भी अप्रतिजनक टिप्पणी की। एटीएस के मुताबिक, आरोपी एक टेलीग्राम ग्रुप चलाता था।

फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे मुस्कान-साहिल

मेरठ, आरएनएन। नीले ड्रम हत्याकांड में मौत की सजा पाने वाले मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला ने मेरठ की जिला अदालत के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दोनों ने अपील दाखिल कर दोषी ठहराए जाने और फांसी की सजा सुनाए जाने के फैसले को रद्द करने की मांग की है।

मचेंट नेवी कर्मी सौरभ राजपूत की मार्च 2025 में हुई हत्या के मामले में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को आरोपी बनाया गया था। मेरठ की जिला अदालत ने 30 सितंबर 2026 को दोनों को हत्या और सबूत छिपाने का दोषी ठहराया था। इसके बाद 14 अक्टूबर को दोनों को फांसी की सजा सुनाई गई। मामले की सुनवाई करीब 13 महीने तक चली। इस दौरान अदालत में 126 सुनवाई हुईं और अभियोजन पक्ष ने 22 गवाह पेश किए। इनमें चाकू, नीले ड्रम और अन्य सामान की खरीद से जुड़े लोग शामिल थे।

पाकिस्तान में गैस सिलेंडर 8000 रुपये के पार पहुंचा

ईरान बॉर्डर बंद होने से हालत खराब



● इस्लामाबाद

अक्टूबर 2026 के मध्य में पाक- ईरान के बीच दो प्रमुख सीमा क्रॉसिंग गन्ध-रिमदान और तप्तान बंद हो गए। 17 अक्टूबर को यह कदम उठाया गया।

पाक की बलूचिस्तान सरकार ने सुरक्षा चिंताओं और तस्करी रोकने का हवाला दिया, जबकि ईरान ने तकनीकी समस्याओं का जिक्र किया। कुछ रिपोर्ट्स में यूएस दबाव या प्रतिबंधों की अटकलें भी उड़ीं,

लेकिन पाक ने सीधे इनकार किया। इस बंद से पाक की दैनिक एलपीजी आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई। पाक ईरान से 7,000 मीट्रिक टन एलपीजी रोज आयात करता है, जिसमें अकेले गन्ध-रिमदान से 4,000 टन से ज्यादा आती थी। बंद के बाद सैकड़ों टैंकर दोनों तरफ फंस गए। ईरानी तरफ 4,500 मीट्रिक टन से ज्यादा गैस अटक रही गई। नतीजा यह हुआ कि बाजार में तुरंत कमी महसूस हुई और कीमतें तेजी से बढ़ने लगीं।

● मनीला

फिलीपीन्स में एक ऐसी दुर्घटना हो गई जिसको देखकर लोग दुखी भी हैं और हैरान भी हैं। यहां फिलीपीन्स एयर फोर्स के दो विमान आसमान में एक दूसरे से टकरा गए। इसके बाद दोनों विमान में सवार चार पायलटों की मौत हो गई। लिपान सिटी के फर्नांडो एयरबेस पर दो ट्रेनर विमान हादसे का शिकार हो गए। फिलीपींस एयर फोर्स (पीएएफ) ने बयान जारी करके इस हादसे पर शोक जताया है। इसके अलावा पीएएफ ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद रिसपॉन्स टीम मौके पर पहुंची। इस हादसे के



बाद एसएफ-260 विमानों को ग्राउंड कर दिया गया है। जांच पूरी होने तक ये विमान उड़ान नहीं भरेंगे। इस साल हवा में विमानों के टकराने का यह दुनिया का पांचवां बड़ा हादसा है।

एयरफोर्स बेस के अंदर ही गिरे विमान: ट्रेनिंग के दौरान यह हादसा हो गया। दोनों विमान बेस के अंदर ही गिरे हैं। इससे बाहर किसी

मेट्रो में सरकार के खिलाफ पोस्टर मिलने पर हड़कंप

नई दिल्ली, आरएनएन। दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के अंदर सरकार के खिलाफ पोस्टर मिलने पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की ट्रेन के अंदर सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने वाले दोनों पोस्टर को दिल्ली पुलिस ने जब्त कर लिया है। मामले की जांच में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल भी शामिल हो गई है। दरअसल, दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के अंदर दो ऐसे पोस्टर मिले जिसमें सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए गए थे। ट्रेन के अंदर चिपके सरकार विरोधी पोस्टर की सूचना मिलते ही मेट्रो के महकमे में हड़कंप मच गया।

सूरत: वंदे भारत पर पथराव, 3 गिरफ्तार

अहमदाबाद, आरएनएन। गुजरात के सूरत के पास वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथर फेंककर खड़कियों के शीशे तोड़ने के आरोप में पुलिस ने बिहार के रहने वाले तीन मजदूरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूरुमाछ में बताया कि उन्होंने यह काम केवल मजे के लिए किया था। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 18 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे उत्राण और सूरत रेलवे स्टेशन के बीच हुई।

फ्रांस में प्रदर्शनकारियों-पुलिस के बीच झड़पें, 135 लोग किए अरेस्ट

सड़क पर महंगाई का उग्र विरोध: देश में 5 लाख लोगों ने निकाला मार्च

● पेरिस

फ्रांस के कई शहरों में शनिवार को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुई हैं। देशभर में हजारों लोग प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। फ्रांस में शनिवार को सरकार के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हुए, जिनमें गृह मंत्रालय के अनुसार 4 लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतरे। अकेले राजधानी पेरिस में लगभग 1,100,000 प्रदर्शनकारियों ने भाग लिया। 135 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पूरे शहर में हालात ज्यादातर शांत रहे।

लियोन और मार्सेई समेत कई शहरों में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। वहीं, बोर्डों में कुछ लोगों को एक दुकान के बाहर लगे लकड़ी के तख्ते उखाड़ते और बैरिकेड बनाते देखा गया। मध्य पेरिस में प्रदर्शन कर रही एक महिला ने कहा कि जब तक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों प्रदर्शनकारियों की बात नहीं सुनते, तब तक प्रदर्शन जारी रहेंगे।

जेली ने कहा कि लोग सड़कों पर इसलिए उतरे हैं, क्योंकि वे बहुत निराश हैं और मैक्रों के सत्ता में आने के बाद से बहुत कुछ बर्दाश्त कर रहे हैं। फ्रांस में महंगाई और बढ़ते खर्च के खिलाफ शनिवार को होने वाले प्रदर्शनों को देखते हुए देशभर में 70 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे।



किसी भी हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेंगे: गृह मंत्री

फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने शुक्रवार को वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों की बैठक के बाद कहा कि सुरक्षा बल किसी भी तरह की हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कट्टर वामपंथी समूहों की ओर से हिंसा की अपील किए जाने का भी दावा किया। उनके मुताबिक, आतंकवाद विरोधी अभियानों और बंधकों को छुड़ाने जैसे विशेष अभियानों में इस्तेमाल होने वाली इकाइयों को भी तैनात किया जाएगा। पिछले शनिवार को महंगाई

के खिलाफ प्रदर्शनों में पांच लाख से अधिक लोग शामिल हुए थे। शुरुआत में शांतिपूर्ण रहे इन प्रदर्शनों के दौरान कुछ समूहों ने तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की। पेरिस, मार्सिले और लियोन सहित कई शहरों में हिंसा हुई। लिमोज शहर में सिटी हॉल में आग लगा दी गई, जिससे इमारत को आंशिक नुकसान पहुंचा। सरकार ने पिछले सप्ताह की व्यापक हिंसा के दौरान हालात पर नियंत्रण खाने की बात स्वीकार की थी।

इटली में प्रदर्शनों को लेकर हाई अलर्ट

रोम, आरएनएन। महंगाई के खिलाफ होने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए इटली के अधिकारियों ने प्रमुख शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके लिए हजारों पुलिसकर्मियों और सैनिकों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही ड्रोन से निगरानी भी की जा रही है। रोम में करीब 1,500 अधिकारियों को तैनात किए जाने की तैयारी है। वहीं मिलान में प्रदर्शनों को संभालने और 17 व 18 अक्टूबर को हुई हिंसक घटनाओं जैसे हालात दोबारा होने से रोकने को लेकर करीब 1,800 पुलिसकर्मियों, नगर निगम अधिकारियों और सैनिकों को तैनात करने की तैयारी है। मिलान, बोलोग्ना, जेनोआ, ट्यूरिन, रोम और फ्लोरेंस सहित इटली के कई शहरों में विरोध प्रदर्शनों की योजना बनाई गई है।

ट्रम्प ने फिर किया सीजफायर का दावा 250 फीसदी टैरिफ की धमकी दी, तब रुकी भारत-पाक जंग

● वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाक के बीच छिड़े युद्ध को दोनों देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की धमकी देकर रुकवाया था।

ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों को चेतावनी दी थी कि अगर युद्ध नहीं रुका, तो यूएस से उनका ट्रेड डूनी तरह ठप किया जाएगा। अपनी कूटनीतिक कोशिशों की तारीफ करते हुए ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर भी अपना दर्द

बयां किया और कहा कि वे अब तक आठ बड़े अंतरराष्ट्रीय युद्ध रुकवा चुके हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इसका श्रेय नहीं दिया गया।

भारी टैरिफ लगाऊंगा, धंधा बंद हो जाएगा: संबंधन में भारत-पाक में हुए सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए 'डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि आप भारत और पाकिस्तान जैसे दो परमाणु संपन्न देशों को लड़ते हुए रोकते हैं। मैंने उनसे कहा कि दोस्तों, अगर तुम लोग यूं ही लड़ते रहें, तो अमेरिका के साथ कोई व्यापार नहीं कर पाओगे। मैं तुम दोनों देशों पर 250 फीसदी का भारी-भरकम टैरिफ लगा दूंगा।

दिलजीत के दिल्ली कॉन्सर्ट को मिली हरी झंडी

मुंबई, आरएनएन। गायक दिलजीत दोसांझ का 30 अक्टूबर को होने वाला कॉन्सर्ट तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को अपने पिछले फैसले पर पुनर्विचार किया और आयोजक बुकमायशो लाइव के साथ बैठक के बाद कॉन्सर्ट के लिए मंजूरी दे दी। शुक्रवार शाम को सिंगर ने अपने आने वाले शो को लेकर एक वीडियो रील शेयर की। इसमें उन्होंने शो की परमिशन और क्लीयरेंस पर हो रहे हंगामे पर परीक्ष रुक से तंज कसा। दिलजीत ने अपने अंदाज में कहा, मैं ये बोल रहा था कि बन गई रीलस, बन गए ट्वीट्स, हो गई आपके न्यूज़रूम की डिबेट्स। अब मिलते हैं 30 तारीख को दिल्ली में।

स्कूल में छुट्टी कराने भेजा बम की धमकी वाला ईमेल

जांच में उसी स्कूल की छात्रा का आया नाम

● नई दिल्ली

दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों के बीच लोदी रोड स्थित एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को मिले धमकी भरे ईमेल की जांच में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाली कोई बाहरी शख्स नहीं, बल्कि उसी स्कूल में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा है। उसने स्कूल में छुट्टी कराने के इरादे से बम रखे होने का फर्जी ईमेल भेजा था। साउथ डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस ने तकनीकी जांच और डिजिटल

सबूतों के आधार पर ईमेल भेजने वाली छात्रा का पता लगाया। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर को एयरफोर्स बाल भारती स्कूल (लोदी रोड) को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। इसमें इमारत में बम रखे होने का दावा किया गया था। दिल्ली के स्कूलों को लगातार मिल रही ऐसी धमकियों को देखते हुए पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। इसके बाद साउथ डिस्ट्रिक्ट के साइबर थाने की टीम ने ईमेल भेजने वाले की पहचान के लिए विस्तृत तकनीकी जांच शुरू की। पुलिस ने डिजिटल सबूतों व ईमेल से जुड़े तकनीकी सुरांगों का विश्लेषण किया।

पश्चिमी-दक्षिणी यूरोप में मृत्यु दर सर्वाधिक

पश्चिमी और दक्षिणी यूरोप में तापमान और गर्मी से होने वाली मृत्यु दर सबसे अधिक रही। पश्चिमी यूरोप के औसत तापमान की बात करें तो ये 1991-2020 के स्तर से करीब 2.9 डिग्री सेल्सियस अधिक था। कुछ दिनों में तापमान मौसमी औसत से 12 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर पहुंच गया। इटली, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी और ब्रिटेन में गर्मी से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या सबसे अधिक रही। वहीं, आबादी के अनुपात में माल्टा, इटली और हंगरी सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल रहे। इटली के नेपल्स में उम्र के अंतर को ध्यान में रखकर किए गए आकलन में प्रति दश लाख लोगों पर 815 मौतों का अनुमान सामने आया।



जून से 1 जुलाई तक तेज गर्मी

2026 में गर्मी से होने वाली अनुमानित मौतों की संख्या 2000 के बाद सबसे अधिक रही। इससे पूर्व 2022 की गर्मियों में 29,000 और 2003 में करीब 28,000 मौतों का अनुमान लगाया गया था। 2026 में गर्मी का सबसे गंभीर दौर 17 जून से 1 जुलाई के बीच रहा। इस अवधि में क्षेत्र का औसत दैनिक तापमान 1991 से 2020 के औसत से 5 डिग्री से. से भी ऊपर चला गया। कुल अनुमानित मौतों में से एक-तिहाई इसी अवधि में हुई।

आज का इतिहास

- 1296: संत ज्ञानेश्वर ने समाधि ली।
- 1415: इंग्लैंड की सेना ने एगिनकोर्ट की लड़ाई में फ्रांस की सेना पर निर्णायक जीत हासिल की।
- 1760: जॉर्ज तृतीय ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड के राजा बने।
- 1800: लॉर्ड मैकाले का जन्म। वह प्रसिद्ध अंग्रेजी कवि, निबंधकार, इतिहासकार तथा राजनीतिज्ञ थे।
- 1881: स्पेन के महान विद्रोहार, मुर्तिकार और बहुमुखी प्रतिभा के धनी पाब्लो पिकासो का जन्म।
- 1929: भारत के भूतपूर्व 25वें मुख्य न्यायाधीश एम. एन. वैकटरेलैया का जन्म।
- 1947: कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत सरकार से पाकिस्तानी हमले के मद्देनजर मदद की अपील की।

1. अज्ञात चोरों के खिलफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।
 2. खटीरों को महत्त्व से उदयभान गेट तक रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ा दी जाए।
- इस जापान पर पुष्पेन्द्र कुमार कोली, मुरली कोली, भंवर लाल, बबलू कोली गणपत लाल, रमेश, आणु कोली, नौरत कोली सहित समाज के कर्माध्यक्षों की उपस्थित रहे।
- पुलिस ने थिक्कानत प्राप्त कर जांच शुरू करने का आश्वासन दिया है।

अफीम नीति 2026-27 घोषित, पट्टों पर संकट और सीपीएस पद्धति में जाने की आशंका से किसानों में नाराजगी...

बद्रीलाल तेली ने अफीम नीति का किया विरोध, कहा—किसान हितों को ध्यान में रखकर सरकार करे पुनर्विचार

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़/भीलवाड़ा / केंद्र सरकार की ओर से अफीम नीति वर्ष 2026-27 घोषित होने के बाद अफीम उत्पादक किसानों के बीच असंतोष की स्थिति बनी हुई है। नीति के प्रावधानों को लेकर किसानों में लाइसेंस और पट्टों को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीं, बड़ी संख्या में किसानों के बिना चीरा लगाए पोस्ता भूसा उत्पादन की सीपीएस (CPS) पद्धति में जाने की संभावना को किसान हित में उचित नहीं माना जा रहा है। चित्तौड़ प्रांत राजस्थान प्रदेश के प्रांत अफीम आयाम प्रमुख एवं अध्यक्ष बद्रीलाल तेली ने अफीम नीति का विरोध करते हुए कहा कि वर्तमान प्रावधानों से अफीम किसानों के सामने कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।



उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों की समस्याओं और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, ताकि वर्षों से अफीम की खेती कर रहे किसानों को नुकसान का सामना नहीं करना पड़े।

न्यूनतम मार्फन उपज का प्रावधान बना चर्चा का विषय

नीति के अनुसार, फसल वर्ष 2025-26 में प्रति हेक्टेयर कम से कम 4.4 किलोग्राम मार्फन औसत उपज (MQY-M) प्राप्त करने वाले पात्र

किसानों को चीरा लगाकर अफीम उत्पादन के लाइसेंस के लिए पात्रता दी गई है। इसके अतिरिक्त निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले फसल हॉकने वाले किसानों, अपील में पात्र घोषित किसानों तथा पात्र मृतक किसानों के नामांकित व्यक्तियों या कानूनी वारिसों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। नीति के तहत पात्र किसानों को एक प्लॉट में 0.10 हेक्टेयर यानी 10 अरी क्षेत्रफल का लाइसेंस देने का प्रावधान है। निर्धारित क्षेत्र पूरा करने के लिए दूसरे किसानों की जमीन पट्टे पर लेने की छूट भी दी गई है। वास्तविक खेती लाइसेंसशुदा क्षेत्र से पांच प्रतिशत तक अधिक पाए जाने पर उसे क्षम्य सीमा में रखने का प्रावधान बताया गया है।

अगले वर्ष के लिए बढ़ेगी उपज की अनिवार्यता

नीति में आगामी फसल वर्ष 2027-

28 के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। इसके अनुसार, वर्ष 2026-27 में प्रति हेक्टेयर 5.9 किलोग्राम मार्फन की न्यूनतम औसत उपज प्राप्त करना आगामी वर्ष की लाइसेंस पात्रता के लिए आवश्यक होगा। वहीं, लगातार तीन वर्षों तक पूरी फसल हॉकने वाले किसानों को वर्ष 2027-28 में लाइसेंस नहीं देने तथा वर्ष 2026-27 में पूरी फसल हॉकने वाले किसानों को अगले वर्ष बिना चीरा लगाए पोस्ता भूसा (सीपीएस) पद्धति के लिए पात्र मानने जैसे प्रावधान भी शामिल हैं। पात्र होने के बावजूद लाइसेंस नहीं लेने या खेती नहीं करने वाले किसानों के लिए भी सीपीएस पद्धति से संबंधित प्रावधान किए गए हैं।

किसान हित में नीति पर पुनर्विचार की मांग

बद्रीलाल तेली ने कहा कि अफीम

किसानों की आजीविका और भविष्य को ध्यान में रखते हुए नीति बनाई जानी चाहिए। किसानों को ऐसी परिस्थितियों में नहीं धकेला जाना चाहिए, जहां उन्हें अपनी परंपरागत खेती से हटकर दूसरी पद्धति अपनाने के लिए मजबूर होना पड़े। उन्होंने सरकार से मांग की कि किसानों की समस्याओं का समाधान करते हुए लाइसेंस संबंधी नियमों में राहत दी जाए और अफीम उत्पादकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। नीति के अनुसार पात्र किसानों की सूची केंद्रीय स्वापक ब्यूरो (CBN) की आधिकारिक वेबसाइट और ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। आवेदन की समय-सीमा, लाइसेंसिंग की विस्तृत तिथियां तथा गांववार कार्यक्रम अलग से जारी किए जाने हैं।

पंचायती राज चुनाव को लेकर कांग्रेस सेवादल ने तेज की तैयारियां

हेमसिंह शेखावत ने ब्यावर में पदाधिकारियों से की चर्चा, 1 नवंबर की दिल्ली सभा में अधिकाधिक भागीदारी के निर्देश

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत शनिवार को पाली से जयपुर जाते समय अल्प समय के लिए ब्यावर रुके। इस दौरान उन्होंने ब्यावर जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सोनी एवं उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से मुलाकात कर आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर संगठनात्मक चर्चा की। शेखावत ने पदाधिकारियों को पंचायती राज चुनावों में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। इसके साथ ही शेखावत ने आगामी 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली 'वोट चोर गद्दी छोड़' सभा में ब्यावर जिले से अधिकाधिक पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने सेवादल पदाधिकारियों से संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम में भागीदारी बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर सेवादल प्रदेश महासचिव देशबंधु शर्मा, ब्यावर जिला अध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सोनी, शहर अध्यक्ष अरविंद माथुर, जिला प्रवक्ता ऋषि लाम्बा, यंग विंगेड अध्यक्ष लोकेश कुमार, सचिव अरविंद भट्टनगर, जैनेत शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



शरद पूर्णिमा पर नरसिंह मंदिर में गूजेगा सुंदरकांड, रात 12 बजे होगी महाआरती

भगवान नरसिंह का होगा मनमोहक श्रृंगार, श्रद्धालुओं को वितरित किया जाएगा खीर का प्रसाद

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल नरसिंह मंदिर में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को भक्ति और श्रद्धा का माहौल रहेगा। इस अवसर पर मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ, भगवान का विशेष श्रृंगार, महाआरती और खीर प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। नरसिंह मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश बंसल ने बताया कि रविवार रात्रि 9 बजे श्री रामरामायण मंडल की ओर से संगीतमय सुंदरकांड पाठ की प्रस्तुति दी जाएगी। सुंदरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सरावोह होंगे। वहीं, रात्रि 12 बजे महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद वितरित किया जाएगा। ट्रस्ट के मंत्री राधेश्याम डाणी ने बताया कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर भगवान नरसिंह के गर्भगृह में पंडित गोपालकृष्ण दाधीच द्वारा मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह रहेगा।



स्कूल वाहिनी की टक्कर से 2 साल के मासूम की मौत, हादसे के बाद भी नहीं चेता परिवहन विभाग!

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा क्षेत्र में स्कूली बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरणी गांव में शनिवार सुबह स्कूल वाहिनी की टक्कर से दो वर्षीय मासूम शिवम गुर्जर की दर्दनाक मौत हो गई। जिस उम्र में बच्चे खिलौनों से खेलते हैं और परिवार की आंखों का तारा बनकर घर-आंगन में किलकारियां भरते हैं, उसी उम्र में एक हादसे ने शिवम की जिंदगी छीन ली। इस घटना ने न केवल एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं, बल्कि स्कूल वाहनों की सुरक्षा और परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुकेश गुर्जर का दो वर्षीय बेटा शिवम शनिवार सुबह करीब 8.30 बजे आरणी गांव में खेल रहा था। इसी दौरान वह स्कूल वाहिनी की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे



तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। हालात गंभीर होने पर उसे भीलवाड़ा जिला चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने से एमओटी पर उसे मृत घोषित कर

दिया। शाहपुरा थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय के अनुसार, पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। शाहपुरा में स्कूल वाहिनी से जुड़ा यह पहला हादसा नहीं है। विगत

दिनों की स्कूल वाहन से दुर्घटना के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की थी। उस समय यदि क्षेत्र में संचालित सभी स्कूल वाहनों की व्यापक जांच की जाती और नियमों की पालना सुनिश्चित कराई जाती, तो शायद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हो सकता था। हालांकि, यह कहना अभी संभव नहीं है कि मौजूदा हादसा जांच या कार्रवाई से निश्चित रूप से टल जाता, लेकिन लगातार सामने आती घटनाएं नियमित निगरानी की जरूरत जरूर बताती हैं।

गांवों से बच्चों को लाने वाले वाहनों की जांच जरूरी

शाहपुरा क्षेत्र में पंजीकृत स्कूल वाहनों के साथ निजी तौर पर छोटे वाहनों को

स्कूली परिवहन में इस्तेमाल किए जाने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या सभी वाहनों के दस्तावेज, फिटनेस, परमिट, बीमा और चालकों की पात्रता की नियमित जांच हो रही है? परिवहन विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि क्षेत्र में कितने स्कूल वाहन पंजीकृत हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है।

अब कार्रवाई नहीं, जवाबदेही भी जरूरी

शिवम की मौत के बाद केवल औचकरी जांच या कुछ दिनों की कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। परिवहन विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग को

संयुक्त अभियान चलाकर स्कूली वाहनों की जांच करनी चाहिए। स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए, ताकि बच्चों की सुरक्षा में कोई समझौता न हो। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर मासूमों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन कब स्यायी व्यवस्था करेगा? शिवम की मौत एक परिवार का असहनीय दुख है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना प्रशासन और संबंधित संस्थाओं की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अब जरूरत है कि हादसे के बाद जानने के बजाय व्यवस्था पहले से सतर्क रहे, ताकि किसी और घर का चिराग इस तरह न बुझे।

कानपुर में दो युवकों से लिंवइन के चक्कर में जान से हाथ धो बैठी देवरिया की सुंदरी : हत्या के बाद दोनों फरार

स्मार्ट हलचल

कानपुर। दो युवकों के साथ लाइव इनके चक्कर में खूबसूरत बताई जाने वाली एक लड़की जान से हाथ धो बैठी। दोनों उसकी हत्या करके फरार हो गए जिसके बाद पुलिस उनकी तलाश कर रही है। हत्या की सनसनी खेज यह घटना चकरी धाना क्षेत्र में हुई। जहां स्वर्ण जयंती विहार में लिंवइन में रह रही 32 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि वादात के बाद उसके साथ रहने वाला युवक कमरे में ताला लगाकर फरार हो गया। दो दिन तक महिला के नजर नहीं आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कोन्सिक टीम से जांच कराई और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसकी लाश की शिनाख्त देवरिया से पहुंची मां द्वारा की गई। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि रानी नामक महिला करीब 20 दिन पहले ही स्वर्ण जयंती विहार में किराये पर रहने आई थी। उसकी शादी पहले उन्नाव निवासी युवक से हुई थी, लेकिन बाद में तलाक हो गया था। इसके बाद वह एक युवक के साथ लिंवइन में रहने लगी। इस बीच एक अन्य युवक भी उसके साथ लिंव इन में रहने लगा। मतलब इस महिला के दोनों युवकों के साथ संबंध थे। मिली जानकारी के मुताबिक कुछ माह पहले किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद भी हुआ था और इस संबंध में मुकदमा चल रहा था। फिलहाल इस घटना के बाद आरोपी दोनों युवक फरार हैं। पुलिस ने बताया कि उनकी तलाश करने के साथ ही घटना में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।



रोटरी क्लब पद्मिनी ने विश्व पोलियो दिवस पर मासूमो पिलाई दो बूंद जिंदगी की

रोटरी क्लब पद्मिनी की पहल, 40 से अधिक बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

स्मार्ट हलचल

कोटा। विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब पद्मिनी कोटा की ओर से बोरखेड़ा स्थित राजकीय चिकित्सा केंद्र में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान 40 से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। क्लब अध्यक्ष दीप्ति राजावत ने बताया कि रोटरी वर्ष 2026-27 की थीम 'फ़िएट लास्टिंग इम्पैक्ट' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने और पोलियोमुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करना रहा। अभियान के दौरान अभिभावकों को पोलियो की दो बूंद के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। सचिव डा.प्रोति शर्मा ने सभी अभिभावक निर्धारित समय पर अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। कार्यक्रम के समन्वय एवं संचालन में एएनएम सीमा मीणा, स्काउट कमिश्नर यज्ञ दत्त हाड़ा, बोरखेड़ा चिकित्सा केंद्र की एमओआईसी डॉ. शंजाला और पीएचएमएनएम वर्षा,सदस्य सोनिया लखौटिया का योगदान रहा। क्लब ने परियोजना के समन्वय के लिए यज्ञ दत्त हाड़ा तथा कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सहयोग देने के लिए सदस्य सोनिया लखौटिया का आभार जताया।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन दीप्ति राजावत एवं सचिव रोटेरियन डॉ. प्रोति शर्मा ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाकर ही पोलियोमुक्त भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है।



स्थानांतरण के बाद कार्यग्रहण नहीं करने वाले 211 प्राचार्यों पर शिक्षा विभाग सख्त-मांगी रिपोर्ट,

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने संयुक्त निदेशकों को दिए निर्देश-कार्यमुक्ति व कार्यग्रहण नहीं होने के कारणों के साथ न्यायिक मामलों की भी देनी होगी जानकारी

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजस्थान के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद नवीन पदस्थापन स्थल पर कार्यग्रहण दर्ज नहीं है। ऐसे में विभाग ने प्रत्येक प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायिक मामलों की भी देनी होगी जानकारी

निदेशालय ने संबंधित संयुक्त निदेशकों को निर्देशित किया है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद कार्मिकों को कार्यमुक्त नहीं करने अथवा उनके नवीन पदस्थापन स्थल पर कार्यग्रहण नहीं करने के कारणों की स्पष्ट जानकारी निधायित प्रपत्र में उपलब्ध कराई जाए। यदि किसी कार्मिक का मामला न्यायालय में विचाराधीन है, तो संबंधित वाद संख्या और उसकी अवतन स्थिति का विवरण भी देना होगा। इसके अलावा कार्यमुक्ति या कार्यग्रहण में बाधा बनने वाले अन्य कारणों का उल्लेख करना भी अनिवार्य होगा, ताकि प्रत्येक मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

निर्धारित प्रारूप में देनी होगी सूचना

विभाग की ओर से जानकारी संकलित करने के लिए निर्धारित प्रारूप जारी किया गया है। इसमें कार्मिक का नाम, कर्मचारी आईडी, वर्तमान पदस्थापन जिला, नवीन पदस्थापन स्थल, स्थानांतरण आदेश की तिथि, कार्यमुक्ति अथवा कार्यग्रहण नहीं होने का कारण, न्यायिक वाद संख्या, मामले की वर्तमान स्थिति और अन्य संबंधित जानकारी शामिल करनी होगी।

ई-मेल से अविलंब भेजनी होगी समेकित रिपोर्ट

निदेशालय ने अधीनस्थ कार्यालयों से सूचना संकलित कर संबंधित संयुक्त निदेशक कार्यालय के माध्यम से रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। मंडल कार्यालयों को अपने संपूर्ण मंडल की समेकित सूचना तैयार कर निर्धारित ई-मेल estab-lishmentbsection@gmail. il.com पर अविलंब प्रेषित करनी होगी। शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई से स्थानांतरण आदेशों की पालना नहीं होने के मामलों में प्रशासनिक, न्यायिक और अन्य बाधाओं की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के आधार पर विभाग संबंधित कार्मिकों की कार्यमुक्ति एवं कार्यग्रहण से जुड़े प्रकरणों को समीक्षा कर सकेगा।

राज्यभर में कार्यग्रहण नहीं करने वाले प्राचार्यों की जिलेवार स्थिति उपलब्ध सूची के अनुसार, राज्यभर में कुल 211 प्राचार्य एवं समकक्ष कार्मिक कार्यग्रहण नहीं करने वाले

मामलों में शामिल हैं। जिलेवार विवरण इस प्रकार है—

जयपुर: 34
जोधपुर: 16
चूरू: 13
सीकर: 12
झुंझुनू: 11
कोटापुर: 8
डोंगड़: 7
अलवर: 6
बाड़मेर: 5
अजमेर: 5
टोंक: 5
भीलवाड़ा: 5
सिरोही: 4
राजसमंद: 4
बीकानेर: 4
इंगूरपुर: 4
खैरथल-तिजारा: 4
बूंदी: 3
डींग: 3
हनुमानगढ़: 3

कोटपूतली-बहरोड़: 3
सतंबर: 3
दौसा: 2
सांभर: 2
करोली: 2
बांसेवाड़ा: 2
बारो: 2
ब्यावर: 2
चित्तौड़गढ़: 2
डींगवाना-कुचामन: 2
जालौर: 2
पाली: 2
फतेहगढ़: 2
बांसवाड़ा: 1
भरतपुर: 1
थरुवापुर: 1
झालावाड़: 1
नागौर: 1
कोटनगर के हितों का भी ध्यान रखे विभाग : सलाहद शिक्षक : सलाहद राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलाहद ने

कहा कि स्थानांतरण आदेशों की पालना सुनिश्चित करना विभागीय व्यवस्था के लिए आवश्यक है, लेकिन कार्यमुक्ति और कार्यग्रहण नहीं होने के प्रत्येक प्रकरण की परिस्थितियों की निष्पक्ष समीक्षा भी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कार्मिक का मामला न्यायालय में विचाराधीन है अथवा किसी प्रशासनिक कारण से वह नवीन पदस्थापन स्थल पर कार्यग्रहण नहीं कर पाया है, तो उसके पक्ष को भी उचित महत्व दिया जाना चाहिए। सलाहद ने शिक्षा विभाग से मांग की कि ऐसे मामलों में नियमानुसार एवं पारदर्शी तरीके से निर्णय लिया जाए। साथ ही कार्मिकों के हितों और उनके न्यायसंगत पक्षों का ध्यान रखा जाए, ताकि विभागीय व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसी भी कार्मिक के साथ अन्याय नहीं हो।

खेरली में मिठाई-किराना दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग टीम की कार्रवाई,

100 किलो अवधि पार खाद्य सामग्री नष्ट व बादाम के 56 पैकेट किये जब्त,

स्मार्ट हलचल

खेरली। कस्बे में दीपावली पर मिलावट की आशंका के बीच खाद्य सुरक्षा विभाग ने खेरली में मिठाईयां और किराना दुकानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। कार्रवाई के दौरान बादाम के 56 पैकेट जब्त किए गए, जबकि करीब 100 किलो अवधि पार खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। साफ-सफाई में कमी मिलने पर कुछ प्रतिष्ठानों को सुधार के नोटिस जारी किए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी और जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी केशव गोयल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

केशव गोयल ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने स्टेशन रोड स्थित बीकानेर मिष्ठान भंडार से कलाकंद, जवाहर चौक स्थित बीकानेर मिष्ठान भंडार से मलाई बर्फी, हिंडौन रोड स्थित श्याम मिष्ठान भंडार से गुलाब जामुन एवं देर एटरप्राइज से पौसा का नमूना लिया। हिलीप मिष्ठान भंडार से मावा व बेसन के लड्डू तथा विद्या फास्ट फूड से भी खाद्य पदार्थ का नमूना जांच के लिए लिया गया। वहीं जवाहर चौक स्थित बाबूलाल जिन्दर कुमार की किराना दुकान से बादाम और काजू के नमूने लिए गए तथा मिलावट की आशंका पर बादाम के 500 ग्राम वजन वाले 56 पैकेट जब्त किए गए। उभर दुकान में रस्सी करीब 100 किलो अवधि पार खाद्य सामग्री भी नष्ट कराई गई। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई में कमी पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों और इकाई संचालकों को सुधार के नोटिस दिए गए। विभाग के अनुसार सभी नमूनों को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।



उदयपुर के राजपैथोकोन-2026 में डॉ. अरुणा पंचारिया की दो चिकित्सा पुस्तकों का विमोचन, भीलवाड़ा का बढ़ाया गौरव

एमबीबीएस और एमडी पैथोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए लिखी गई पुस्तकें, सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक निदान से जोड़ने पर जोर

स्मार्ट हलचल

उदयपुर। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान का गौरव बढ़ाते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज, भीलवाड़ा में प्रोफेसर डॉ. अरुणा पंचारिया द्वारा लिखित दो चिकित्सा पुस्तकों का विमोचन शनिवार को उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय पैथोलॉजी सम्मेलन राजपैथोकोन-2026 के मंच से किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रख्यात शिक्षाविदों की मौजूदगी में पुस्तकों का विमोचन हुआ। इस उपलब्धि से भीलवाड़ा को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान मिली है। पुस्तक विमोचन समारोह में आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ राहुल जैन,



एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई है। इसमें पैथोलॉजी के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्लिनिकल केस और रोगों की समझ से जोड़ने का प्रयास किया गया है। वहीं, दूसरी पुस्तक OMastering MD Pathology Decoding the Clinical Case Diagnosis' एमडी पैथोलॉजी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए लिखी गई है। यह पुस्तक क्लिनिकल केस के माध्यम से रोगों के निदान की प्रक्रिया को क्रमबद्ध एवं व्यावहारिक तरीके से समझने में सहायक है। दोनों पुस्तकों की खासियत यह है कि इनमें चिकित्सा शिक्षा को केवल सैद्धांतिक अध्ययन तक सीमित रखने के बजाय वास्तविक क्लिनिकल परिस्थितियों, केस-आधारित अध्ययन और व्यावहारिक निदान से जोड़ने पर जोर दिया गया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के पाठ्यक्रम तथा दक्षता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (CBME) की भावना के अनुरूप यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों में तार्किक सोच, क्लिनिकल सहसंबंध और निदान संबंधी कौशल विकसित करने में उपयोगी हो सकता है। चिकित्सा शिक्षण, हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्टिंग तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के प्रशिक्षण में योगदान दे रही डॉ. अरुणा पंचारिया को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'मेवाड़ गोवर्धन सम्मान' से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, उन्हें 'आयन लेडी ऑफ राजस्थान' सम्मान भी प्राप्त हुआ है। वे अपने मेडिकल एजुकेशन यूट्यूब चैनल के माध्यम से जटिल पैथोलॉजी विषयों को सरल और

अंधविश्वास के अंधेरे में विज्ञान की दस्तक, 31 अक्टूबर को रिलीज होगी शाहपुरा के वीरेन्द्र रावणा की फिल्म ‘भैरव का भरम’

10 लाख रुपए के बजट में बनी फिल्म का ट्रेलर रिलीज, धनरूप प्रोडक्शन के यूट्यूब चैनल पर देख सकेंगे दर्शक

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। अंधविश्वास और विज्ञान के बीच संघर्ष को रहस्य, रोमांच और सामाजिक संदेश के साथ पर्दे पर उतारने वाली फिल्म 'भैरव का भरम' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया गया। धनरूप प्रोडक्शन के बैनर तले बनी यह फिल्म 31 अक्टूबर 2026 को प्रोडक्शन के आधिकारिक यूट्यूब चैनल @ Dhan Roop Production पर रिलीज होगी। फिल्म का लेखन और निर्देशन मूल रूप से शाहपुरा, भीलवाड़ा निवासी वीरेन्द्र रावणा ने किया है। सीमित संसाधनों और करीब 10 लाख रुपए के बजट में तैयार इस फिल्म को राजस्थान के युवा फिल्मकारों और कलाकारों के सामूहिक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। फिल्म की टैगलाइन 'साइंस द्रायम्फ ओवर सुपरस्टिशन' यानी 'अंधविश्वास पर विज्ञान की जीत' इसकी मूल भावना को सामने रखती है। कहानी के जरिए यह सवाल उठाया गया है कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक



सवाल खड़े करती हैं और कहानी का रोमांच बढ़ाती हैं। अंत में घटनाओं से जुड़े पहलुओं का खुलासा होता है। फिल्म की खासियत यह है कि इसमें मनोरंजन और रहस्य के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण का संदेश देने का प्रयास किया गया है।

शाहपुरा के वीरेन्द्र रावणा का लेखन-निर्देशन फिल्म का लेखन एवं निर्देशन वीरेन्द्र रावणा ने किया है। निर्माता कुशवन्त सिंह चौहान और सह-निर्माता पंकज पारीक हैं। सह निर्देशन की जिम्मेदारी समीर राज ने संभाली है। फिल्म में पंकज पारीक, प्रिया शर्मा, हितेन शर्मा, प्रिया, वीरेन्द्र रावणा, नैना शर्मा, राजीव जैन, आनंद गंगवार, पंकज कुमार, सिकंदर चौहान, अलताफ हुसैन, गोपाल राम, सोबी राठौड़, मुकेश जोधा, राजेश और रमेश सहित अन्य कलाकारों ने भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म का म्यूजिक और मिक्स मास्टरिंग कुष्ण कुंतल ने किया है। वीएफएक्स और पोस्ट प्रोडक्शन का काम संजीव कुंतल ने संभाला, जबकि मुंबई के सदीप डे ने एडिटिंग की है।

शेरपुर -सुरौठ पंचायत समिति सदस्य पद के लिए 85 नामांकन पत्र खारिज, 17 वार्डों में 146 प्रत्याशी मैदान में

स्मार्ट हलचल

सुरौठ। नव गठित शेरपुर -सुरौठ पंचायत समिति सदस्य पद के लिए जमा किए गए कुल 231 नामांकन पत्रों की शनिवार को निर्वाचन विभाग की टीम की ओर से सघन जांच की गई। जांच के दौरान 85 नामांकन खारिज किए गए। नामांकन पत्रों की जांच के पश्चात कुल 146 प्रत्याशी मैदान में हैं। रिटर्निंग ऑफिसर अशोक कुमार एवं चुनाव प्रभारी राजवीर सिंह डांगुर ने बताया कि शेरपुर -सुरौठ पंचायत समिति के सभी 17 वार्डों में सदस्य पद हेतु 165 अभ्यर्थियों ने 231 नामांकन दाखिल किए गए थे। शनिवार को नामांकन पत्रों की समीक्षा की गई। इस दौरान राजनीतिक पार्टियों के सिंबलों के अभाव एवं अन्य कारणों से 85 नामांकन पत्र निरस्त कर दिए गए। समीक्षा के पश्चात 146 नामांकन ही विधि सम्मत पाए गए। नामांकन पत्रों की समीक्षा प्रक्रिया के दौरान रिटर्निंग अधिकारी अशोक कुमार, अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारी हरिशंकर शर्मा, चुनाव प्रभारी राजवीर सिंह डांगुर, नॉमिनेशन टीम प्रभारी अरुण सिंह डांगुर, सुरौठ थानाधिकारी सुमेर सिंह गुर्जर, जगर चौकी इंचार्ज हरिराम आदि विशेष रूप से मौजूद रहे। चुनाव प्रभारी ने बताया कि 26 अक्टूबर को शाम 3:00 बजे तक अभ्यर्थी नामांकन पत्र वापस ले सकेंगे। शेरपुर -सुरौठ पंचायत समिति के नामांकन पत्रों की समीक्षा के पश्चात सबसे अधिक 17 प्रत्याशी वार्ड 9 में है तथा सबसे कम 2 उम्मीदवार वार्ड 15 में रहें हैं।



खेरेली तरफ रेला में फर्जी मतदान के आरोप, सैकड़ों ग्रामीणों ने कटूमर में लगाया जाम

स्मार्ट हलचल

कटूमर। दिनेश लेखी।कटूमर पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत खेरेली तरफ रेला के बूथ नंबर 74 पर फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर शनिवार शाम विवाद गहरा गया। नंगला सीताराम और नंगला केसरिया गांवों के सैकड़ों महिला-पुरुष उपखंड मुख्यालय पहुंच गए। ग्रामीणों ने री-पॉलिंग कराने और कथित रूप से धक्का-मुक्की करने वाले पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान नगर-खेड़ली सड़क मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बाधित रहा। प्रदर्शन के दौरान हुई धक्का-मुक्की में नंगला सीताराम निवासी सरपंच प्रत्याशी महेश की मां सुभाष देवी पत्नी घमंडीराम के सिर में चोट लग गई। उन्हें कटूमर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने हालत को देखते हुए अलवर रेफर कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया और वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि खेरेली तरफ रेला स्थित बूथ नंबर 74 पर



हिंदुस्तान जिक की ‘सखी माइक्रोएंटरप्राइज’ से ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को लगे पंख: आय में 43% का जबरदस्त उछाल, दरीबा में नई मिलेट यूनित स्थापित ‘दायची’ और ‘उपाया’ ब्रांड के उत्पाद अब मेट्रो शहरों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध; ले मार्शे, ब्लिंकिट व अमेजन से साझेदारी ने बढ़ाई पहुंच, 420 से अधिक महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिक लिमिटेड की सामाजिक सरोकार पहल 'सखी माइक्रोएंटरप्राइज' ग्रामीण अंचल की महिलाओं के जीवन में आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिख रही है। महिलाओं को उनके पारंपरिक कौशल के आधार पर स्थायी आजीविका और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाली इस परियोजना से वर्तमान में 426 महिलाएं सक्रिय रूप से जुड़ चुकी हैं। प्रयोग विपणन और आधुनिक तकनीक के संयोजन से इन महिलाओं की सामूहिक वार्षिक आय में पिछले वर्ष की तुलना में 43 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो वित्त



वर्ष 2026 में 23 लाख रुपये से बढ़कर 32.84 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

मंजू देवी बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल कुछ वर्ष पूर्व तक अनिश्चितताओं और

आर्थिक तंगी से जुझने वाली महिलाओं के लिए यह पहल संबल बनकर उभरी है। वर्ष 2019 में पति के असामयिक निधन के बाद दो संतानों के लालन-पालन का जिम्मा उठाने वाली मंजू देवी पहले मोसमी मजदूरी पर आश्रित थीं। हिंदुस्तान जिक की सखी परियोजना से जुड़कर उन्होंने आधुनिक प्रोसेसिंग मशीनों का संचालन सीखा और आज वे हर माह लगभग 8 हजार रुपये की सम्मानजनक नियमित आय अर्जित कर रही हैं। मंजू देवी जैसी सैकड़ों महिलाएं आज अपने दम पर परिवार का संबल बन रही हैं।

'दायची' और 'उपाया' ब्रांड का बढ़ा दायरा, दरीबा में मिलेट यूनित सखी माइक्रोएंटरप्राइज अपने दो प्रमुख ब्रांड्स-खाद्य उत्पादों के लिए 'दायची'

(अचार, शहद, मसाले, दालें, नमकीन, तेल, घी) और परिधानों के लिए 'उपाया' के जरिए व्यापक बाजार तैयार कर चुका है। राजस्थान और उत्तराखंड में संचालित 14 उत्पादन इकाइयों के माध्यम से महिलाएं पारंपरिक उत्पादों के साथ-साथ क्रोशिया उत्पाद, मृगफलती तेल और मिलेट आधारित उत्पाद भी तैयार कर रही हैं। इसी क्रम में दरीबा में एक आधुनिक मिलेट (मोटा अनाज) उत्पादन इकाई स्थापित की गई है, जो स्थानीय स्तर पर पोषण सुरक्षा, मूल्य संवर्धित उत्पादों और महिला उद्यमिता को नई गति प्रदान करेगी।

सखी माइक्रोएंटरप्राइज : मुख्य उपलब्धियां आय में वृद्धि: सामूहिक आय पिछले वर्ष के 23 लाख रुपये से 43' बढ़कर

32.84 लाख रुपये हुई। सक्रिय सहभागिता: 426 से अधिक ग्रामीण महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से आजीविका से जुड़ीं। उत्पादन इकाइयां: राजस्थान और उत्तराखंड में 14 सक्रिय इकाइयां संचालित। प्रमुख ब्रांड: 'दायची' (खाद्य उत्पाद) एवं 'उपाया' (हैंडमैड परिधान व क्रोशिया उत्पाद)। बाजार विस्तार: प्रीमियम रिटेल चेन 'ले मार्शे' (दिल्ली) सहित ब्लिंकिट, अमेजन, फ्लिपकार्ट, ओएनडीसी और 'हार्ट्स विद फिंगर्स' पोर्टल पर उत्पाद उपलब्ध। दिल्ली के प्रीमियम स्टोर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स तक पहुंची ग्रामीण कला

स्थानीय बाजारों से आगे बढ़ते हुए सखी के उत्पादों ने अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमाई है। प्रीमियम रिटेल स्टोर 'ले मार्शे' के साथ साझेदारी के तहत सखी उत्पाद दिल्ली के तीन बड़े स्टोर्स में उपलब्ध कर आए हैं। इसके अलावा ब्लिंकिट, अमेजन, फ्लिपकार्ट, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) तथा सखी के अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म 'हार्ट्स विद फिंगर्स' के जरिए इन उत्पादों की देशव्यापी बिक्री हो रही है। कंपनी 4,100 से अधिक गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और महिला सशक्तीकरण के जरिए 26 लाख से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

संक्षिप्त

समाचार

ईरानके खिलाफ युद्ध से तेल महंगा हुआ, परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था जरूरी: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माना कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध की वजह से तेल की कीमतें बढ़ी हैं और इससे अमेरिकी परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ा है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह कीमत चुकाना जरूरी था। फ्लोरिडा के टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि जब उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का फैसला लिया था, तब उन्हें पहले से अंदाजा था कि ऊर्जा की कीमतें बढ़ सकती हैं। फिर भी उनका कहना था कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा और पेट्रोल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब तीन नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनावों की तैयारी चल रही है। बढती महंगाई और जीवनयापन की लागत अमेरिकी मतदाताओं के लिए एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है जबकि रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस पर अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है। जब उनसे पूछा गया कि बढ़ती कीमतों का बोझ आम लोगों पर पड़ रहा है, तो ट्रंप ने कहा, ‘ ईरान जैसे बहुत बुरे देश से परमाणु हथियार छीनने के लिए यह एक छोटी सी कीमत है।’ वहीं?क-टीवी की एंकर वलेयर गैल्ट ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि अमेरिकी लोग अभी भी महंगे किराने के सामान से जुड़ा रहे हैं और दक्षिण-पश्चिम फ्लोरिडा में पेट्रोल की औसत कीमत 4.18 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है। इस पर ट्रंप ने माना कि बीफ की कीमतें अब भी ऊंची हैं और तेल की कीमतें भी युद्ध की वजह से बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, ‘ बीफ की कीमतें थोड़ी ज्यादा हैं लेकिन वे नीचे आ रही हैं।’ साथ ही उन्होंने जोड़ा कि पशुपालन और उत्पादन की प्रक्रिया में समय लगता है, इसलिए कीमतों को सामान्य होने में थोड़ा वक्त लग सकता है। ऊर्जा की कीमतों पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि तेल महंगा होगा लेकिन उनके मुताबिक सैन्य कार्रवाई से बचा नहीं जा सकता था। उन्होंने कहा कि? कीमतें पहले काफी कम थीं और मुझे पता था कि ऐसा होगा लेकिन यह एक फैसला था जो लेना जरूरी था। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता क्योंकि वह दुनिया में आतंकवाद को समर्थन देने वाले सबसे बड़े देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि? ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। इसलिए मुझे यह कदम उठाने पर मजबूर है। हालांकि ट्रंप ने युद्ध खत्म होने की कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि यह जल्द खत्म होगा। किसी समझौते के जरिए या किसी और तरीके से, लेकिन यह खत्म होगा। उनके इस बयान से यह संकेत मिला कि बातचीत के अलावा आगे और सैन्य कार्रवाई की संभावना भी बनी रह सकती है। वहीं प्रशासन अमेरिकी लोगों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि युद्ध के आर्थिक असर लंबे समय तक नहीं रहेंगे।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष से तुर्की का इनकार

अंकारा, एजेंसी। रियाद। तुर्की ने स्पष्ट किया है कि उसका यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी भी प्रकार की सीधे सैन्य संघर्ष में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ हुए त्रिपक्षीय ‘मक्का संयुक्त रक्षा समझौते’ के बावजूद तुर्की द्वारा हूतियों के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई से दूरी बनाए रखने के इस फैसले को पश्चिम एशिया की भू- राजनीति में बेहद अहम माना जा रहा है। ‘ हूतियों के साथ किसी संघर्ष का विचार नहीं ’: रक्षा मंत्री याशर गुलेर एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में तुर्की के रक्षा मंत्री याशर गुलेर ने देश की कूटनीतिक और सैन्य स्थिति स्पष्ट की: प्रत्यक्ष संघर्ष से इनकार : रक्षा मंत्री ने कहा कि तुर्की, हूती विद्रोहियों के साथ किसी भी तरह के प्रत्यक्ष सैन्य टकराव या युद्ध में उतरने पर विचार नहीं कर रहा है। केवल रक्षात्मक सहयोग: उन्होंने रेखांकित किया कि सऊदी अरब को दी जाने वाली किसी भी संपावित तुर्क सैन्य सहायता का मुख्य उद्देश्य केवल सऊदी अरब की प्रतिरोधक एवं रक्षात्मक क्षमता (डिटरेंस) को मजबूत करना होगा, न कि किसी आक्रामक अभियान का हिस्सा बनना। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अगस्त माह में ऐतिहासिक ‘मक्का संयुक्त रक्षा समझौते’ पर हस्ताक्षर किए गए थे : सामूहिक सुरक्षा का प्रावधान : इस समझौते के प्रमुख नियमों के तहत प्रावधान किया गया है कि तीनों सदस्य देशों में से किसी भी एक पर होने वाले बाहरी हमले को तीनों देशों पर संयुक्त हमला माना जाएगा।

कठूमर में डांडियों की खनखनाहट पर महिलाओं ने जमकर किया गरबा, करवा चौथ स्पेशल में मचाया धमाल

पारंपरिक वेशभूषा में गुजराती, राजस्थानी और पंजाबी गीतों पर झूमीं महिलाएं, बच्चों की देवी स्तुति से हुई कार्यक्रम की शुरुआत

स्मार्ट हलचल

कठूमर। महिला वैश्य समाज कठूमर की ओर से डांडिया उत्सव-2026 एवं करवा चौथ स्पेशल कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने बद्ध-चढ़कर भाग लिया। रंज-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने डांडिया और गरबा नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्सव और उमंग का माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों की ओर से प्रस्तुत धार्मिक देवी स्तुति से हुई। देवी स्तुति के माध्यम से बच्चों ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर प्रस्तुति दी। इसके बाद



मनोरंजक खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों का सिलसिला शुरू हुआ। महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ मिलकर कार्यक्रम का आनंद लिया

और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डांडिया उत्सव का मुख्य आकर्षण महिलाओं का गरबा और डांडिया नृत्य रहा। पारंपरिक वेशभूषा में सजी

महिलाओं ने गुजराती, राजस्थानी और पंजाबी गीतों की धुन पर जमकर गरबा किया। डांडियों की खनखनाहट और गीतों की मधुर धुन के बीच महिलाओं ने ताल से ताल मिलाकर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। गरबा के दौरान पूरा माहौल उत्सवमय हो गया और महिलाओं ने उत्साह के साथ नृत्य में भाग लिया। 'दोली तारो ढोल बाजे', 'नगाड़ा संग ढोल बाजे' और 'ओढ़नी ओढ़ू' तो उड़-उड़ जाएं जैसे लोकप्रिय गीतों की धुन पर महिलाओं ने खूब रंग जमाया। गीतों की लय पर थिरकती महिलाओं और डांडिया की खनक ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक परिधानों में महिलाओं की आकर्षक प्रस्तुतियां कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहीं। करवा चौथ स्पेशल के

अवसर पर महिलाओं ने आपसी मेलजोल, मनोरंजन और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। खेलों में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। विभिन्न खेलों में सुनीता खंडेलवाल, पूजा खंडेलवाल और सोनम खंडेलवाल विजेता रहीं। बच्चों के वर्ग में सौम्या जैन ने बाजी मारी। अन्य खेलों में पारूल भारद्वाज और पारूल शर्मा विजेता रहीं। वहीं, लकी ड्रॉ में सुनीता रावत विजेता घोषित की गईं। विजेताओं का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन

में महिला वैश्य समाज की अध्यक्ष बीना बंसल के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीना खंडेलवाल एवं अनौता जैन, उपाध्यक्ष पलक खंडेलवाल, अनौता खंडेलवाल एवं साक्षी बंसल, कोषाध्यक्ष पारूल खंडेलवाल, सांस्कृतिक मंत्री पूजा जैन, संगठन मंत्री अर्चना खंडेलवाल तथा प्रचार मंत्री सोनिया बंसल ने आयोजन में सहयोग किया। कार्यक्रम में महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी, पारंपरिक वेशभूषा, गरबा-डांडिया नृत्य और मनोरंजक खेलों ने आयोजन को यादगार बना दिया। इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं को आपस में मिलने-जुलने, सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने और सामूहिक रूप से उत्सव मनाने का अवसर मिला।

तुर्किए में बॉलिंग एली मशीन की चपेट में आई 28 साल की महिला, लिवर फटने से गई जान

अंकारा, एजेंसी। तुर्किए में एक बॉलिंग एली में काम करने वाली महिला की पिन-सैटिंग मशीन की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे के बाद एंटरटेनमेंट सेंटर के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला की पहचान 28 वर्षीय मेलिके येतेर के तौर पर हुई है। मेलिके की तीन महीने पहले ही सगाई हुई थी। कोरुम में एक बॉलिंग एली में बुधवार, 21 अक्टूबर को यह हादसा हुआ। मेलिके येतेर मशीन की खराबी ठीक करने की कोशिश कर रही थीं, तभी वह अचानक मशीन की चपेट में आ गई। येतेर को काफी चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद घर पर उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत वापस अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों को पता चला कि उन्हें अंदरूनी रक्तस्राव हो रहा है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे में महिला का लिवर फट गया, जिससे बहुत ज्यादा खून बहने लगा। जब उनकी हालत बिगड़ने लगी, तो उनके मंगेतर घबरा गए और डॉक्टरों से उन्हें बचाने की गुहार लगाने लगे। उन्होंने अपने परिचित चिकित्सा विशेषज्ञों से भी संपर्क किया। स्थानीय अखबार के मुताबिक, येतेर की मौत कई तरह की लापरवाहियों के कारण हुई है। उनकी मौत के बाद एंटरटेनमेंट सेंटर के 34 वर्षीय मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि उन पर किन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

चीन की अर्थव्यवस्था में बड़ी कमजोरी; दुनिया पर कब्जे की रणनीति ड्रैगन पर पड़ रही भारी, निर्यात बढ़ा फिर भी कंपनियां घाटे में

बीजिंग, एजेंसी। चीन के औद्योगिक उत्पादन और निर्यात की ताकत दुनिया भर के देशों के लिए चिंता का विषय बन गई है। अमेरिका समेत कई देशों के नीति-निर्माताओं को आशंका है कि चीनी सामान की बाढ़ उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकती है, रोजगार घटा सकती है और महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए उन्हें चीन पर निर्भर बना सकती है। लेकिन चीन की औद्योगिक ताकत के पीछे एक विरोधाभास भी उभर रहा है। देश की कई फैक्ट्रियां बड़े पैमाने पर उत्पादन और निर्यात करने के बावजूद मुनाफा कमाने में नाकाम हो रही हैं। लंदन स्थित शोध संस्था कैपिटल इकोनॉमिक्स के अनुसार, चीन की उन औद्योगिक कंपनियों का अनुपात, जो घाटे में चल रही हैं, 2018 के मुकाबले दोगुना होकर इस साल 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी औद्योगिक क्षेत्र की करीब हर तीन में से एक कंपनी नुकसान उठा रही है।

चीन की कंपनियों के लिए समस्या यह है कि निर्यात बढ़ने के बावजूद उनका घाटा जमा होता जा रहा है। उत्पादन और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ के बीच कई कंपनियां पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं। स्थानीय प्रशासन रोजगार बनाए रखने और

आर्थिक विकास के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के लिए घाटे में चल रहे उद्यमों को नियमित रूप से आर्थिक सहारा देता है।



इससे ऐसी कंपनियां भी कारोबार जारी रख पाती हैं, जिन्हें सामान्य बाजार परिस्थितियों में बंद होना पड़ सकता था। इस व्यवस्था का एक उल्टा असर सामने आ रहा है। चीन को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई औद्योगिक नीति अब उसकी अर्थव्यवस्था को दूसरे देशों की नीतियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना रही है। जब विदेशी बाजार चीनी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाते हैं या आयात सीमित करते हैं, तो निर्यात पर निर्भर कंपनियों के लिए मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं। चीन की प्रशासन रोजगार बनाए रखने और

प्राथमिकताओं में कंपनियों का मुनाफा हमेशा सबसे ऊपर नहीं रहा है। देश के आर्थिक योजनाकारों का मानना रहा है कि विशाल विनिर्माण क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा, तकनीकी प्रगति, राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक प्रभाव के लिए जरूरी है। इसी सोच के तहत कारखानों से होने वाले उत्पादन, निर्यात और रोजगार को निवेश पर मिलने वाले वित्तीय लाभ से अधिक महत्व दिया जाता रहा है। इस रणनीति के कारण चीन की अर्थव्यवस्था में ऐसी कंपनियों की मौजूदगी लंबे समय से बनी हुई है, जिन्हें 'जॉम्बी कंपनियां' कहा जाता है। ये ऐसी कंपनियां होती हैं, जो प्रभावी रूप से दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच चुकी होती हैं, लेकिन कर्ज देने वाले संस्थानों और अन्य वित्तीय सहायता के सहारे अपना कारोबार जारी रखती हैं। ऐसी कंपनियों के बने रहने से रोजगार और उत्पादन को तत्काल सहारा मिल सकता है, लेकिन लंबे समय तक संसाधनों का इस्तेमाल कम उत्पादक उद्यमों में होता रहता है। इससे नई और अधिक कुशल कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना भी कठिन हो सकता है। चीन की विशाल उत्पादन क्षमता उसे वैश्विक बाजारों में मजबूत स्थिति देती है। कारों, चिप और अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्यात से उसकी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बढ़ती है।

ताइवान में चांपी का खौफनाक मंजर; 125 किमी की रफ्तार वाली हवा में उड़ा राहगीर; 1 की मौत, 500 से ज्यादा घायल

ताइपे, एजेंसी। ताइवान में चक्रवात चांपी ने ऐसा कहर बरपाया कि तेज हवाओं के सामने लोगों का सड़क पर खड़े रहना भी मुश्किल हो गया। ताइवान के आपातकालीन अधिकारियों के अनुसार, चक्रवात के कारण एक व्यक्ति की मौत हुई। दक्षिणी ताइवान के फिंगतुंग काउंटी में एक व्यक्ति समुद्र की लहरों में बह गया था। वहीं, घायलों की संख्या 500 से अधिक बताई गई है। राजधानी ताइपे में एक राहगीर को हवा का तेज झोंका पैरों से उखाड़कर गिराता दिखाई दिया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, ग्रेटर ताइपे में हवाओं के झोंकों की रफ्तार 110 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई, जबकि तटीय इलाकों में यह 227 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। तूफान के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और 500 से अधिक लोग घायल हुए हैं। चक्रवात के कारण अब तक एक व्यक्ति की मौत और 500 से अधिक लोगों के घायल होने की

खबर है। हालात को देखते हुए राजधानी सहित कई इलाकों में



स्कूलों, कार्यालयों और उड़ानों का संचालन भी प्रभावित हुआ।

125 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं

स्थानीय मौसम प्रशासन के अनुसार, ग्रेटर ताइपे क्षेत्र में हवा के झोंकों की रफ्तार 110 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच दर्ज की गई। तटीय क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर रही, जहां हवा की अधिकतम रफ्तार 227 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। तेज हवाओं के बीच ऊंची इमारतों के आसपास हवा का दबाव और उसका प्रभाव अचानक बदल सकता है।

इमारतों के बीच बने ऐसे गलियारों में हवा के झोंके पैदल



चलने वालों का संतुलन बिगाड़ सकता है। ताइपे में राहगीर के हवा के साथ उड़ने और गिरने का वायरल वीडियो इसी खतरे की निशानी है। वीडियो में एक व्यक्ति तेज हवा के सामने खुद को संभालने की कोशिश करता दिखाई देता है, लेकिन हवा का जोर उसे पैरों से उखाड़कर नीचे गिरा देता है। सामान्य परिस्थितियों में 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा की कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन ऐसी गति के झोंके खुले में खड़े लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं।

2 डॉलर में बेचता था डाक टिकट, पाकिस्तानी शख्स पर यूएसपीएस को 1,190 करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी डाक सेवा को 126 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,190 करोड़ रुपये से अधिक का कथित नुकसान पहुंचाने के मामले में पाकिस्तान के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उस पर फर्जी पोस्टेज लेबल बेचने वाली वेबसाइट संचालित करने का आरोप है, जिसके जरिए ग्राहकों को कम कीमत पर पार्सल भेजने के लिए नकली लेबल उपलब्ध कराए जाते थे। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 33 वर्षीय फहीम अकरम के रूप में हुई है। वह पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रान्त के खानेवाल का निवासी है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी अधिकारियों ने कई सप्ताह तक देश के अलग-अलग हिस्सों में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद मंगलवार को उसे हिरासत में लिया गया। पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी

आतिफ अमीर ने पत्रकारों को आरोपी की गिरफ्तारी दी। वहीं, अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित दक्षिणी जिले के अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, एक संघीय ग्रैंड ज्यूरी ने भी फहीम अकरम के खिलाफ आरोप तय किए हैं। हालांकि ये आरोप हैं और अदालत में दोष साबित होना बाकि है।

कैसे काम करता है यह फर्जीवाड़ा ?: अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, फहीम अकरम नाम की वेबसाइट संचालित करता था। आरोप है कि वह वेबसाइट के माध्यम से उसने 5,200 से अधिक ग्राहकों को 51 लाख से ज्यादा फर्जी डाक लेबल बेचे।

रिपोर्ट के अनुसार, वेबसाइट पर हर लेबल की कीमत करीब 2 डॉलर यानी लगभग 189 रुपये रखी गई थी। पार्सल का वजन, आकर या उसे कहां भेजना है, इससे कीमत पर कोई फर्क नहीं पड़ता था। इस वजह से ग्राहक आधिकारिक डाल शुल्क के मुकाबले काफी



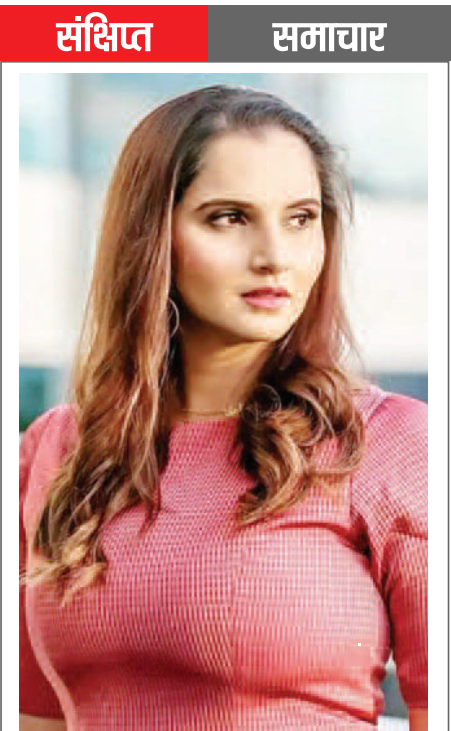
कम पैसे देकर अपने पार्सल भेज पा रहे थे। बताया जा रहा है कि इन नकली लेबलों के जरिए भेजे गए पार्सल को अमेरिकी डाक सेवा ने निर्धारित डाक शुल्क प्राप्त किए बिना ही

प्रोसेस किया और डिलीवर किया। इससे डाक सेवा को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अमेरिकी डाक सेवा को हुआ यह कथित नुकसान 126 मिलियन डॉलर यानी करीब

1,190 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। हालांकि, यह रकम यूएसपीएस को हुए अनुमानित नुकसान को दर्शाती है, न कि वेबसाइट के जरिए फहीम अकरम की कुल कमाई को।

आतिफ अमीर के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि फहीम अकरम अगस्त 2023 से सितंबर 2026 तक कथित तौर पर इस वेबसाइट का संचालन कर रहा था। इस पूरे कामकाज से जुड़े लेन-देन के लिए उसने कथित तौर पर 16 अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया। जांच में सामने आया कि इन खातों में अकरम के निजी खातों के साथ-साथ उसके परिवार के सदस्यों के खाते भी शामिल थे। इनमें उसके भाई, पत्नी, बहन और चाची या बुआ के खाते होने की बात कही गई है। अकरम को गिरफ्तार करने से पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने मामले की जांच के तहत देश के विभिन्न इलाकों में

छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था। फहीम अकरम को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जाएगा या उसके खिलाफ पाकिस्तान में ही कानूनी कार्रवाई होगी, इस बारे में अधिकारियों ने अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। अमेरिका में दाखिल आरोप-पत्र के मुताबिक, अकरम पर कथित तौर पर एक अनधिकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चलाने का आरोप है। इस वेबसाइट के जरिए हजारों ग्राहकों को ऐसे फर्जी शिपिंग लेबल बेचे जाने का दावा किया गया है, जिनकी कीमत आधिकारिक डाक शुल्क से काफी कम थी। यह मामला अमेरिकी डाक सेवा) को 126 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,190 करोड़ रुपये से अधिक के कथित वित्तीय नुकसान से जुड़ा है। हालांकि, अकरम पर लगाए गए आरोप अभी साबित नहीं हुए हैं और उसकी दोषसिद्धि का फैसला अदालत में कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा।



सानिया ने की धमाकेदार वापसी

मुंबई । टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पांडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। खेल, एंटरटेनमेंट और बेबाक बातचीत को एक साथ लाने वाले इस पांडकास्ट के पहले एपिसोड में एक्टर सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल नजर आएंगे, जो अपने रिश्ते, शादी और साथ काम करने को लेकर खुलकर बात करते दिखेंगे। पांडकास्ट के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए सानिया मिर्जा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार पांडकास्टिंग में हाथ आजमाया, तो मुझे यकीन नहीं था कि मुझे इसमें कितना मजा आएगा, लेकिन समय के साथ-साथ मुझे एहसास हुआ कि ऐसी बातचीत और लोगों को उनकी इमंज से अलग जानना कितना मनोरंजक होता है। सानिया मिर्जा ने दूसरे सीजन की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, 'पहले सीजन की सफलता और दर्शकों के रिसर्पॉन्स ने मुझे सीजन-2 के साथ वापस आने की और बड़ी वजह दे दी। मैंने सालों तक टेनिस कोर्ट पर धमाल मचाया है और अब एक पांडकास्टर के तौर पर अपनी इस नई पारी को एन्जॉय कर रही हूँ। इस सीजन में हमारे पास शानदार लाइनअप है और मैं दर्शकों के साथ इन बातचीतों को देखने के लिए उत्सुक हूँ।' शो का पहला एपिसोड सानिया के सोनाक्षी और जहीर के साथ पिकलबॉल खेलने से शुरू होगा, जिसमें कपल के सात साल के रिश्ते पर बातचीत होगी। अभिनेत्री सोनाक्षी और उनकी पति जहीर इकबाल साल 2022 में फिल्म 'डबल एक्सल' में साथ नजर आए थे और साइकोलॉजिकल/रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ काम किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। अभिनेत्री सोनाक्षी ने जहीर इकबाल के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'मेरे लिए ऑन स्क्रीन रोमांस करना सबसे मुश्किल काम है।

वर्मा जी ने लगाया भारत को जीत का तिलक

रेड्डी ने दिया साथ, क्राइस्टचर्च में टीम इंडिया की मौज

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी की दमदार पारी की वजह से भारत ने शनिवार को न्यूजीलैंड के हाथों से जीत छीन ली है। भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फिलिप्स और जैकब्स की दमदार पारियों की वजह से भारत के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा था, जवाब में तिलक और नितीश रेड्डी के नाबाद साझेदारी की वजह से भारत ने आखिरी ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड की शुरुआत रही खराब

इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया था। न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टिम साइफर्ट सिर्फ सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद फिन एलन को प्रिंस यादव ने बोल्ट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आए डेरिल मिचेल भी कुछ खास नहीं कर पाए। वो 6 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार का शिकार हुए। भुवी ने चार साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए विकेट निकाला।

फिलिप्स-जैकब्स की दमदार पारी

पहले मैच की तरह एक बार फिर ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने टीम के लिए शानदार पारी खेली। फिलिप्स और जैकब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की शानदार साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 43 गेंदों में चार चौकों और इतने ही छक्कों की बदौलत 70 रनों की पारी खेली। वहीं जैकब्स ने पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 46 गेंदों में 58 रन बनाए, जिसकी वजह से न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 180 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। भारत की ओर से सबसे ज्यादा दो विकेट अर्शदीप सिंह ने लिए।

ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: फिर खिताब जीतने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली । भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चैंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कोचिंग कैप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे।

बांग्लादेश में होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कंडीशनिंग और मैच की रणनीति

पर ध्यान दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का उनके प्रदर्शन, फिटनेस स्तर, तकनीकी कौशल और समग्र तैयारियों के आधार पर आकलन किया गया। बी1 श्रेणी में नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देबराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा और मुकेश कुमार रावत को चुना गया है।

बी2 श्रेणी में दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार और नकुला बडनायक शामिल हैं। वहीं, बी3 श्रेणी में दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक को टीम में जगह मिली है।

सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महंताेश जी. किवादासनवर ने चुने गए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पुरुष ब्लाइंड



क्रिकेट एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए 17 खिलाड़ियों को बधाई। हर खिलाड़ी ने हमें उम्मीद है कि वे भारत की

गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएंगे और अपना खिताब बचाने में सफल रहेंगे। मैं टीम की सफलता की कामना करता हूँ।'

भारत ने जनवरी 2016 में कोच्चि में सीएबीआई द्वारा आयोजित पहले ब्लाइंड टी20 एशिया कप को जीता था, जिसमें उन्होंने फाइनल में पाकिस्तान को 44 रनों से हराया था। भारतीय टीम ने 208/5 का स्कोर बनाया और फिर पाकिस्तान को 164 रन पर रोककर अपना पहला खिताब जीता था।

भारतीय टीम: नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देबराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा, मुकेश कुमार रावत, दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार, नकुला बडनायक, दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक।

बायर्न म्यूनिख के मैनेजर विंसेंट कॉम्पनी हुए बेहोश, अस्पताल में भर्ती

म्यूनिख। म्यूनिख में ट्रेनिंग सेशन के दौरान बायर्न म्यूनिख फुटबॉल क्लब के मैनेजर विंसेंट कॉम्पनी बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। क्लब ने पुष्टि की है कि आगे की जांच के लिए वह अभी मेडिकल देखरेख में रहेंगे।

बायर्न ने एक बयान में कहा, एफसी बायर्न की एमेच्योर टीम की ट्रेनिंग के दौरान विंसेंट कॉम्पनी बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें मेडिकल इलाज की जरूरत पड़ी। फर्स्ट-टीम के कोच उस समय दूसरी टीम का सेशन देख रहे थे। कॉम्पनी का अस्पताल में पूरा चेकअप होगा और वह मेडिकल देखरेख में रहेंगे। फिलहाल, उनका कोचिंग स्टाफ ट्रेनिंग और मैच से जुड़े कामकाज संभालेगा।

यह घटना बुधवार को आर्सेनल के खिलाफ बायर्न के यूईएफए चैंपियंस लीग मैच से कुछ दिन पहले हुई है, जब कॉम्पनी ने अपने पैर और कुल्हे में दर्द की शिकायत की थी। माना जा रहा है कि यह तकलीफ उन्हें हुए किसी वायरस संक्रमण से जुड़ी है। बायर्न म्यूनिख के सहायक कोच आरोन डैक्स ने कॉम्पनी की जगह प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि मैनेजर को ठीक होने के लिए समय चाहिए। डैक्स ने कहा, यह बस एक वायरस है।

अनाहत को मिली हार

सिलिकॉन वैली ओपन : सेमीफाइनल में सफर हुआ समाप्त, मलेशिया की शिवसांगरी ने दी शिकस्त

रेडबुड सिटी। सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से हारकर भारतीय स्टार अनाहत सिंह का सफर समाप्त हो गया। अनाहत को शिवसांगरी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। अनाहत सिंह ने मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ जोरदार शुरुआत की और पहला गेम 11-5 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद सुब्रमण्यम ने अपने खेल का स्तर बढ़ाया और 37 मिनट तक चले मुकाबले को 11-5, 6-11, 4-11, 7-11 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह अनाहत की मलेशियाई खिलाड़ी से कुल मिलाकर चौथी और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) टूर पर तीसरी हार थी।

अनाहत के लिए शानदार रहा साल

अनाहत के लिए साल 2026 बेहद खास रहा है। उन्होंने 2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में गर्ल्स सिंगल्स का टाइटल जीता और यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर पदक जीतकर इस इवेंट में पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया था। अनाहत ने इससे पहले हांगझोउ में 2023 एशियन गेम्स में विमेंस टीम और मिक्स्ड डबल्स कॉम्पिटिशन में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। 18 साल की अनाहत का नाम स्क्वैश खिलाड़ी के तौर पर वैश्विक स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की भविष्य में वैश्विक मंचों पर उनसे करिश्माई प्रदर्शन की उम्मीद है। सेमीफाइनल से बाहर होने के बावजूद, सिलिकॉन वैली में अनाहत के प्रदर्शन ने इंटरनेशनल सर्किट पर उनके बढ़ते कद को दिखाया। वर्ल्ड नंबर 15 अनाहत ने इस इवेंट में आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन टॉप सीड एल शेरबिनी को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाते हुए बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद उन्होंने मिश्र को छठी सीड सलमा हैनी को हराया।

मेसी का सम्मान

स्पेन ने अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान को प्रिंसेस ऑफ ऑस्ट्रियस अवॉर्ड दिया, हुआ जोरदार स्वागत

ओवेएदो। अर्जेंटीना के फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी का स्पेन में जोरदार स्वागत हुआ। ऑलियादी में 2022 फीफा विश्व कप विजेता को देखने सैकड़ों प्रशंसक पहुंचे, जहां उन्हें प्रिंसेस ऑफ ऑस्ट्रियस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ओलंपिक्स डॉट कॉम के अनुसार, इंटर मियामी के फॉरवर्ड मेसी, अपनी पत्नी एंटोनेला रोकुलों के साथ पहुंचे। उन्होंने होटल के बाहर प्रशंसकों से बातचीत की और ऑटोग्राफ दिए। यह सम्मान खेल हस्तियों को उनके शानदार करियर और अपने खेल के दायरे से बाहर किए गए योगदान के लिए दिया जाता है।

मेसी ने हाल ही में लिया था संन्यास

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 2022 फुटबॉल विश्व कप का खिताब दिलाया था। इस साल भी अर्जेंटीना उनकी कप्तानी में फीफा विश्व कप में खेलने उतरी थी, लेकिन उसे फाइनल में स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अर्जेंटीना को एक विश्व कप और दो कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 208 मैच खेले हैं और 126 गोल किए हैं। उनके नाम 68 अस्मिस्ट भी हैं। वह अर्जेंटीना के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। दो दशक से ज्यादा लंबे इस सफर में उन्होंने राष्ट्रीय टीम को चार बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई 2021 और 2024 कोपा अमेरिका, 2022 फाइनलिस्मा और सबसे बड़ा 2022 फीफा विश्व कप।



आपके किचन की सबसे खतरनाक चीज है रिफाइंड ऑयल

शाकाहारी खाना हो या फिर नॉन वेजिटेरियन फूड, हर किसी में तेल का इस्तेमाल होता है। यह सब्जी को एक प्लेवर, एरोमा और टेक्सचर देने का काम करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आजकल लोगों ने खाने में जहर डालना शुरू कर दिया है। इसके बारे में रजिस्टर्ड न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया है। उन्होंने कहा कि आप अपने खाने में रोज जहर डाल रहे हैं। यह आपके किचन की सबसे खतरनाक चीज है, जिसमें आप रोज फाई करते हैं, सब्जी बनाते हैं और तड़का लगाते हैं।

रिफाइंड ऑयल है सबसे खतरनाक

डॉक्टर शिल्पा के मुताबिक रिफाइंड ऑयल सबसे टॉक्सिक है। जैसे कि सोयाबीन ऑयल, कैनोला ऑयल और सनफ्लॉवर ऑयल। इन तेल को निकालने के लिए खतरनाक केमिकल का इस्तेमाल होता है।

कौन सा केमिकल होता है इस्तेमाल ?

एक्सपर्ट के मुताबिक तेलों को साफ करने, उनसे रंगत और महक हटाने के लिए कुछ केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें हेक्सैन जैसे खतरनाक केमिकल होते हैं। इसलिए अगर आप इन रिफाइंड ऑयल का इस्तेमाल करते हैं तो तुरंत बंद कर दें।

पैदा होती हैं ये दिक्कतें

एक्सपर्ट के मुताबिक तेल में मौजूद इन केमिकल की वजह से आपको कई सारी समस्याएं हो सकती हैं। जिसमें हॉर्मोन असंतुलन, डायजेस्टिव डिसऑर्डर, रेस्पिरेटरी कंडीशन और कैंसर भी शामिल है। आप इनकी जगह दूसरे तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ये है सही

अगर आप सूखी सब्जी बना रहे हैं, तो इसे सरसों के तेल में बनाएं। अगर आप तड़का लगाना चाहते हैं तो इसके लिए घी इस्तेमाल करें। एक्सपर्ट के मुताबिक इन्हें थोड़ा खाओ, लेकिन शुद्ध खाओ।

नजरअंदाज न करे ब्लोटिंग की समस्या, बन सकती है गंभीर बीमारी

वैसे तो ब्लोटिंग को आम समस्या समझा जाता है लेकिन नजरअंदाज करने पर यह बीमारी गंभीर भी बन सकती है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, हार्मोनल असंतुलन, बासी भोजन का सेवन, पेट में पानी या प्लग्ड का भर जाना, कब्ज, ज्यादा देर तक भूखे या फिर कई घंटे एक ही जगह पर बैठे रहना, पीरीयड्स आने पर होने वाले शारीरिक बदलाव भी पेट के फूलने का कारण बनते हैं। इसके अलावा दवाइयों का अधिक सेवन या और भी बहुत से कारण हैं जो ब्लोटिंग की वजह हैं। इससे सेहत पर भी बहुत बुरा असर पड़ता है, इससे छुटकारा पाने के लिए सही लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है।

लक्षण

- घबराहट
- भूख न लगना
- बेचैनी
- पेट में दर्द
- कब्ज या दस्त
- वजन घटना
- थकान
- तेज सिरदर्द या कमजोरी

इस तरह पाएं ब्लोटिंग से छुटकारा

इस परेशानी में पेट फूला हुआ और सख्त महसूस होता है। कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से इस समस्या से राहत पाई जा सकती है। अजवायन - खाना खाने के बाद भारीपन के साथ-साथ बेचैनी या घबराहट होने लगती है तो थोड़ी सी अजवायन के साथ संधा नमक चबाचबा कर खाएं। इसके बाद गुनगुना पानी पी लें। इससे पेट में बनने वाली गैस से राहत मिलेगी और पाचन क्रिया भी दुरुस्त हो जाएगी।

तुलसी - तुलसी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है और यह आसानी से मिल भी जाती है। पेट से जुड़ी किसी भी समस्या से राहत पाने के लिए इसका सेवन करना बेस्ट है। कुछ दिन सुबह खाली पेट 3-4 तुलसी की ताजी पत्तियों का सेवन करें। इससे पेट फूलने की समस्या दूर हो जाएगी। **गुनगुना पानी** - गुनगुने पानी का सेवन पेट की सूजन, अपच के साथ-साथ और भी बहुत सी समस्याओं से राहत दिलाने में कारगर है। खाना खाने के बाद ठंडा पानी पीने की जगह गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। सुबह उठकर एक गिलास गुनगुना पानी पीने से कब्ज नहीं होती और पेट भी तंदुरुस्त रहता है। **पुदीना** - पुदीने का सेवन करने से पेट में जमा होने वाली गैस आसानी से निकल जाती है, जिससे ब्लोटिंग की परेशानी नहीं होती। दिन में एक बार पुदीने की चाय पीने से भी फायदा मिलता है। इसके अलावा खाने में पुदीने की चटनी भी शामिल कर सकते हैं। इससे बदहजमी नहीं होती। आप सुखे पुदीने का सेवन मिश्री के साथ भी खा सकते हैं। **कढ़ू** - पेट से जुड़ी हर समस्या के लिए कढ़ू बेस्ट है। इसमें विटामिन ई, पोटेशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिससे खाना आसानी से पचने लगता है। दिन में एक बार कढ़ू का सेवन जरूर करें। **केला** - कैल्शियम, पोटेशियम और फाइबर के लिए केला बहुत बढ़िया है। यह कब्ज, गैस और पेट के फूलने से जुड़ी समस्या के लिए बहुत लाभकारी है।

ब्लोटिंग यानि पेट फूलना, जिससे पेट का आकार बढने लगता है। इसे पेट की सूजन भी कहते हैं। सामान्य तौर पर ऐसा खाना खाने के बाद महसूस होता है। यह समस्या तब आती है जब छोटी आंत के अंदर गैस भर जाती है। इसका सीधा संकेत पाचन क्रिया में गड़बड़ी भी है।

है। रोजाना एक केले का सेवन काले नमक के साथ करने से पेट से जुड़ी परेशानियां दूर रहती हैं। **सौंफ** - सौंफ में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, खाना खाने का बाद इसे चबाचबा कर खाएं। इससे पेट की गैस आसानी से निकल जाती है। इसके अलावा एक कप गर्म पानी में 1 चम्मच सौंफ के बीज भी डाल कर 5 से 10 मिनट ढक्कर रख दें। इसके बाद इस मिश्रण को छानकर इसका सेवन करें। इसका सेवन दिन में 2 से 3 बार करें।

ठंड में हार्ट के मरीज बरतें ये सावधानियां



ठंड के मौसम में हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। सर्दी के कारण जहां सर्दी और खासी की समस्या बढ़ जाती है। वहीं इस मौसम में दिल की बीमारी को खतरा भी काफी बढ़ जाता है। दरअसल सर्द हवाओं के चलते रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है जिसके कारण ब्लड का फ्लो सही से नहीं हो पता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। दिल पर दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। वहीं इस मौसम में हमारी लाइफस्टाइल भी काफी ज्यादा बदल जाती है। इसके कारण भी हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है। अगर आप हार्ट के पेशेंट हैं और खुद को

सर्दियों में सुरक्षित रखना चाहते हैं तो आप इन बातों का ध्यान रखें।

- सर्दियों के मौसम में आप अनहेल्दी फूड खाने से बचें। अगर आप ठंड के दिनों में ज्यादा तला भुना या फ्राइड चीज खाते हैं, तो यह आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्लड प्रलो वैसे ही कम हो जाता है और ऑयली चीज खाने से ब्लड वेसल में फैट जमा हो जाएगा तो ब्लड प्रलो पूरी तरह से बाधित हो सकता है। यह हार्ट हेल्थ के मरीजों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचता है।
- हार्ट के मरीजों को एक्सरसाइज रेगुलर बेसिस पर करना जरूरी होता है। सर्दियों में लोग अक्सर ज्यादा खाते हैं और कंफर्टबल फूड खाने के आदी हो जाते हैं। ऐसे में वजन बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है और इससे हार्ट पर ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। इससे बचने का बेहतर उपाय यह है कि आप बहुत ज्यादा एक्सरसाइज नहीं भी कर पाए तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज हर रोज करें। इससे आप एक्टिव रहेंगे और हार्ट भी ठीक से फंक्शन करेगा।
- सर्दियों के मौसम में अक्सर धूप की कमी के चलते मेटल हेल्थ खराब हो जाता है। अक्सर लोग डिप्रेशन और स्ट्रेस के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि तनाव कम लें, स्ट्रेस मैनेज करें। क्योंकि स्ट्रेस की वजह से बीपी बढ़ सकता है और यह हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।
- हार्ट को हेल्दी रखने के लिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखना जरूरी होता है। ऐसे में सर्दियों में जितना कम हो सके उतना नमक का सेवन करें, शरीर में नमक पानी को रोकता है और हार्ट को इस लिक्विड को पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- अक्सर लोग सर्दियों में धूम्रपान ज्यादा करते हैं। इससे भी हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा होती है। इससे धमनियों में प्लाक जमा होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है। कोशिश करें कि धूम्रपान ना करें

औषधीय गुणों की खान है इलायची



आमतौर पर अधिकतर घरों में इलायची का सेवन मुखशुद्धि के लिए अथवा मसाले के रूप में किया जाता है। यह दो प्रकार की आती है- हरी या छोटी इलायची तथा बड़ी इलायची। जहां बड़ी इलायची व्यंजनों को लजीज बनाने के लिए एक मसाले के रूप में प्रयुक्त होती है, वहीं हरी इलायची मिठाइयों की स्वथबू बढ़ाती है। मेहमानों की आव भगत में भी इलायची का इस्तेमाल होता है। लेकिन इसकी महत्ता केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह औषधीय गुणों की खान है। आइए, जानें इनके औषधीय गुणों को। छोटी इलायची और बड़ी इलायची से होने वाले फायदों के बारे में

- **खराश** : यदि आवाज बेटी हुई है या गले में खराश है, तो सुबह उठते समय और रात को सोते समय छोटी इलायची चबा-चबाकर खाएं तथा गुनगुना पानी पीएं।
- **सूजन** : यदि गले में सूजन आ गई हो, तो मूली के पानी में छोटी इलायची पीसकर सेवन करने से लाभ होता है।
- **खांसी** : सर्दी-खांसी और छींक होने पर एक छोटी इलायची, एक टुकड़ा अदरक, लहसुन तथा पांच तुलसी के पत्ते एक साथ पान में रखकर खाएं।
- **उल्टियां** : बड़ी इलायची पांच ग्राम लेकर आधा लीटर पानी में उबाल लें। जब पानी एक-चौथाई रह जाए, तो उतार लें। यह पानी उल्टियां रोकने में कारगर सिद्ध होता है।
- **बदहजमी** : यदि केले अधिक मात्रा में खा लिए हों, तो तत्काल एक इलायची खा लें। केले पच जाएंगे और आपको हल्कापन महसूस होगा।
- **जी मिचलाना** : बहुतों को यात्रा के दौरान बस में बैठने पर चक्कर आते हैं या जी घबराता है। इससे निजात पाने के लिए एक छोटी इलायची मुंह में रख लें।
- **छाले** : मुंह में छाले हो जाने पर बड़ी इलायची को महीन पीसकर उसमें पिसी हुई मिश्री मिलाकर जुबान पर रखें, तुरंत लाभ होगा।
- **बड़ी इलायची की चाय** : सर्दियों के मौसम में खांसी-जुकाम हो जाने पर बड़ी इलायची की चाय या इसका काढ़ा बनाकर पीने से ठंड से राहत मिलती है।
- **कैफ़ीन और विषैले पदार्थ** : बड़ी इलायची शरीर में जाकर एक डिटॉक्सीफायर का काम करती है। ये आपके शरीर से कैफ़ीन और विषैले पदार्थों को बाहर निकाल फेकती है। इसका प्रभाव आपके चेहरे पर भी दिखता है और त्वचा में निखार आ जाता है।
- **कैंसर** : बड़ी इलायची में इस तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो कि कैंसर के मरीज को फायदा पहुंचाते हैं।
- **मजबूत बाल** : इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स आपके सिर की त्वचा को पोषण देते हैं जिस वजह से बाल मजबूत होने लगते हैं।
- **तनाव व घबराहट** : यदि किसी को जल्द ही थकान, तनाव व घबराहट होती है, तो बड़ी इलायची को पीस कर, शहद में मिलाकर लेने से फायदा होगा।
- **सिर दर्द** : सिर दर्द होने पर भी बड़ी इलायची का सेवन लाभदायक होता है।
- **दांत का दर्द** : बड़ी इलायची और लींग तेल को बराबर-बराबर मात्रा में लें। इसे दांतों पर मलने से दांत का दर्द ठीक होता है।
- **बड़ी इलायची का काढ़ा** : 4-5 बड़ी इलायची के फल को 400 मिली पानी में उबाल लें। इस काढ़ा से कुल्ला करने से दांत दर्द ठीक होता है।
- **मुंह के सूजन** : 2-3 बड़ी इलायची

के छिलकों को पीसकर खाने से दांत की बीमारियों तथा मुंह के सूजन में लाभ होता है।

- **अधिक थूक बनना** : यदि मुंह में अधिक थूक आता हो या लार बहती हो तो बड़ी इलायची और सुपारी को बराबर-बराबर पीसकर मिला लें। इसे 1-2 ग्राम मात्रा में लेकर चूसते रहने से थूक कम बनता है और लार का बहना बंद हो जाता है।
- **सांसों के रोग** : 5-10 बुंद बड़ी इलायची तेल में मिश्री मिलाकर नियमित सेवन करने से सांसों के रोग में लाभ होता है।
- **भूख ना लगना** : एक ग्राम बड़ी इलायची बीज चूर्ण में 4 ग्राम मिश्री मिलाकर 1 ग्राम सुबह और शाम सेवन करने से गर्भवती स्त्री को भूख ना लगने की परेशानी में लाभ होता है।
- **मुंह से दुर्गंध** : अगर आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो बड़ी इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। इसके अलावा मुंह के घावों को ठीक करने के लिए भी बड़ी इलायची को इस्तेमाल में लाया जा सकता है।



कैल्शियम के लिए खाएं खसखस

शरीर की स्थिरता और मजबूती हड्डियों के दम पर होती है। इन्हीं से अंदर का ढांचा बनता है। अगर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं तो चलना-फिरना तक मुश्किल हो जाता है। आपको बता दें कि हड्डियां कैल्शियम से बनी होती हैं, इसलिए इसकी बहुत जरूरत होती है। कैल्शियम पाने के लिए आप खसखस के बीज (पॉपी सीड्स) खा सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में यह मिनरल मौजूद होता है। आपको बता दें कि ये बीज अफीम के पौधे से प्राप्त होते हैं। लेकिन इन्हें खाने लायक बनाने के लिए कई प्रोसेस के बाद इनसे नशा करने वाले तत्व निकाल दिए जाते हैं। सही मात्रा में इनका सेवन करने से कई फायदे मिलते हैं।

पोषण का भंडार हैं खसखस के बीज
खसखस के अंदर कैल्शियम के साथ फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम, कॉस्फोरस, पोटेशियम, जिंक, कॉपर, सेलेनियम, विटामिन ई आदि कई सारे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को हेल्दी रखने के लिए जरूरी हैं।

दूर होती है हड्डियों की कमजोरी
अगर कमजोरी की वजह से हड्डियों में दर्द हो रहा है तो खसखस के बीज जरूर खाएं। इनमें कैल्शियम, मैग्नीज, मैग्नीशियम और जिंक होता है। रिसर्च कहती है कि मजबूत हड्डियों के लिए इन सभी चीजों की जरूरत है।

वेट लॉस डाइट में करें शामिल
वेट लॉस के लिए फाइबर बहुत महत्वपूर्ण है। यह पेट को देर तक भरा रखता है और पाचन भी बेहतर करता है। अन्य बीजों की तरह खसखस में भी फाइबर की उच्च मात्रा होती है।

दर्द से छुटकारा दिलाता है खसखस
अनप्रोसेस्ड पॉपी सीड्स पर morphine, codeine, thebaine जैसे तत्व हो सकते हैं। दर्द से निजात दिलाने के लिए ये तत्व पेन किलर दवाओं के अंदर डाले जाते हैं। हालांकि, बिना प्रोसेस किए खसखस के बीज खाने से पहले किसी एक्सपर्ट की राय लेनी चाहिए।

इस वक्त मिलेंगे खसखस के फायदे
खसखस के बीजों को कभी भी खया जा सकता है। हालांकि, सुबह खाली पेट इनका सेवन ज्यादा लाभदायक माना जाता है। मगर ध्यान रहे कि इसे खाने से पहले किसी एक्सपर्ट से सही मात्रा की जानकारी ले लें।

